✷Website : www.kalamlok.com✷

वर्ष - 09 अंक - 339

बक्सर, गुरूवार 23 अप्रैल 2026

< 7 |

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"सत्य एक ऐसी आध्यात्मिक शक्ति है, जो देश, काल, पात्र अथवा परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होती।

विधानसभा चुनाव 2026 : मतदान का महादिन, बंगाल-तमिलनाडु में आज वोटिंग; कौन मारेगा बाजी?

बंगाल में पहले चरण की वोटिंग: 152 सीटों पर 1478 उम्मीदवार मैदान में

कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान, संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय बल तैनात

तमिलनाडु में एक चरण में सभी 234 सीटों पर मतदान, करोड़ों मतदाता करेंगे फैसला

टीएमसी बनाम बीजेपी और डीएमके बनाम एआईएडीएमके गठबंधन में सीधा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में आज 16 जिलों की 152 सीटों पर मतदान होगा। सुबह सात बजे से मतदान प्रक्रिया शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगी। इस चरण में कुल 1478 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। राज्य में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को हो गा। वहीं, आज तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक साथ मतदान होगा। तमिलनाडु में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी है। मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो, इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल के पहले चरण में उत्तर बंगाल के आठ, दक्षिण बंगाल के तीन और जंगलमहल क्षेत्र के पांच जिलों के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इन जिलों में पुरुलिया, बांकुरा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, पूर्व मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना शामिल हैं। इसके अलावा कोलकाता और हावड़ा की कुछ सीटों पर भी मतदान हो रहा है। चुनाव आयोग के अनुसार, मुर्शिदाबाद की 22, कूचबिहार की 9, जलपाईगुड़ी की 7, अलीपुरद्वार की 5, कलिंपोंग की 1, दार्जिलिंग की 5, उत्तर दिनाजपुर की 9, दक्षिण दिनाजपुर की 6, मालदा की 12, बीरभूम की 11, पश्चिम बर्द्धमान की 9, पूर्व मेदिनीपुर की 16, पश्चिम मेदिनीपुर की 15, झाड़ग्राम की 4, पुरुलिया की 9 और बांकुरा की 12 सीटों पर आज मतदान पूरा होगा।

पहले चरण में कड़े मुकाबले वाली प्रमुख सीटों में नंदीग्राम, खड़गपुर, पुरुलिया, बांकुरा और झाड़ग्राम शामिल हैं। राज्य में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को 142 सीटों पर होगा। शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भारी तैनाती की गई है। इस चरण में कुल 1478 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण में 3.60 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, जिनमें 1.84 करोड़ पुरुष, 1.74 करोड़ महिला और 465 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। पूरे पश्चिम बंगाल में कुल 6.44 करोड़ मतदाता हैं। प्रदेश में मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच है। टीएमसी की ओर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली, जबकि भाजपा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, पार्टी अध्यक्ष नितिन गडकरी और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने जोरदार प्रचार किया। कांग्रेस और वामपंथी दलों ने भी अपने उम्मीदवारों के समर्थन में सभाएं कीं।

तमिलनाडु में आज सभी 234 विधानसभा सीटों पर एक चरण में मतदान होगा। राज्य में इस बार 5.67 करोड़ से अधिक मतदाता अपने वोट का अधिकार प्रयोग करेंगे, जिनमें 2.89 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं। चुनाव आयोग ने पूरे राज्य में 75,032 मतदान केंद्र बनाएं हैं, जिनमें से 5,938 संवेदनशील घोषित किए गए हैं। इन केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। राज्य भर में करीब 1.47 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं, जिनमें केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 295 कंपनियां (लगभग 23,000 जवान) शामिल हैं। इसके अलावा 20,000 से अधिक सेवानिवृत्त सैनिकों और वन रक्षकों को भी ड्यूटी सौंपी गई है। आपात स्थिति से निपटने के लिए 1,100 वाहनों में त्वरित प्रतिक्रिया दल तैयार रखे गए हैं।

तमिलनाडु में 4023 उम्मीदवारों के बीच कड़ा मुकाबला

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु में कुल 4023 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम के नेतृत्व वाले गठबंधन और अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन के बीच है। अभिनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कषगम' ने कुछ सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला खड़ा कर दिया है। द्रमुक की ओर से मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने स्टार प्रचारक की भूमिका निभाई, जबकि अन्नाद्रमुक की ओर से एडापट्टी के. पलानीस्वामी ने प्रचार की कमान संभाली। भाजपा गठबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और नितिन गडकरी ने धुआंधार प्रचार किया। प्रदेश में भ्रष्टाचार, तमिल स्वाभिमान और महिला आरक्षण जैसे मुद्दे चुनावी चर्चा के केंद्र में रहे।

डॉट, डॉट, डॉट

पहलगाम हमले की बरसी पर पाकिस्तान को राजनाथ सिंह की 'रहस्यमयी चेतावनी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले की बरसी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को रहस्यमयी चेतावनी दी है। उन्होंने तीन बार डॉट, डॉट, डॉट का जिक्र किया। रक्षा मंत्री ने जर्मनी में भारतीय समुदाय से बातचीत करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' की जमकर तारीफ की और कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देश अच्छे हैं, सिवाय एक के, जो गड़बड़ी करता है। सिंह की यह टिप्पणी बुधवार, 22 अप्रैल को आई, कश्मीर के पहलगाम में हुए उस जानलेवा आतंकवादी हमले के ठीक एक साल बाद, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें से ज्यादातर आम नागरिक थे।

जर्मनी में अपने संबोधन के दौरान, सिंह ने पाकिस्तान को एक इशारों-इशारों में चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई पड़ोसी देश ने छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है तो फिर 'डॉट, डॉट, डॉट।'''ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना की तारीफ करते हुए, जिसे पिछले साल 7 से 10 मई के बीच पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में अंजाम दिया गया था और जिसका मकसद पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों को तबाह करना था, सिंह ने कहा कि भारत की सेना अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है। उन्होंने आगे कहा, 'आपको यह बताने की जरूरत नहीं है कि हमारी सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में क्या किया है... हमारी सैन्य शक्ति भी पहले से ज्यादा मजबूत हो गई है। भारत ने दुनिया के किसी भी देश पर अपनी तरफ से कभी हमला नहीं किया है... लेकिन अगर कोई पड़ोसी देश ने छेड़छाड़ करने की कोशिश की तो डॉट, डॉट, डॉट... सभी पड़ोसी ठीक हैं, बस एक ही परेशानी वाला है।''

रक्षा मंत्री का दावा—देश अब आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

रक्षा मंत्री ने इस बारे में भी बात की कि कैसे भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर रहने से अब एक निर्यातक देश बन गया है। उन्होंने कहा, 'पहले, जब रक्षा की बात आती थी, तो अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए हम आयात पर निर्भर रहते थे, और हमारी निर्भरता आयात पर ही थी। लेकिन इसमें बहुत बड़ा बदलाव आया है। अब, आयातक होने के बजाय, हम निर्यातक बन गए हैं। आपको यह जानकर खुशी होगी कि इस बार हमने लगभग 39,000 करोड़ के रक्षा सामान निर्यात किए हैं।''

आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर याचिका

पीएम मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद टीएन प्रतापन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 18 अप्रैल को दूरदर्शन पर राष्ट्र के नाम संबोधन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका में इस संबोधन को आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने 18 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे दूरदर्शन और संसद टीवी पर राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। यह संबोधन नारी शक्ति वंदन विधेयक (महिला आरक्षण संशोधन विधेयक) से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रमों के ठीक बाद आया था। भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने नाम लेकर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम और समाजवादी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों की आलोचना की तथा उन्हें महिला आरक्षण के विरोधी बताते हुए मतदाताओं से जवाबदेही ठहराने की अपील की।

याचिकाकर्ता टीएन प्रतापन का आरोप है कि सक्रिय चुनाव अवधि के दौरान सरकारी नियंत्रण वाले दूरदर्शन और संसद टीवी का इस्तेमाल विपक्षी दलों की आलोचना के लिए किया गया, जो आदर्श आचार संहिता का साफ उल्लंघन है। प्रतापन ने याचिका में आगे कहा कि चुनाव के दौरान पक्षपातपूर्ण राजनीतिक संदेश देने के लिए सरकारी प्लेटफॉर्म्स का उपयोग आधिकारिक मशीनरी का दुरुपयोग है और यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123(7) के तहत भ्रष्ट आचरण माना जा सकता है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि भारत निर्वाचन आयोग को औपचारिक शिकायत दिए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे आयोग की अनुच्छेद 324 के तहत संवैधानिक जिम्मेदारी का परित्याग हुआ है, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपता है।

भारत आ रहे जहाज को ईरान ने किया जब्त, ले गया वापस; होर्मुज में तनाव बढ़ा

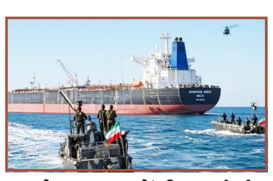

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज के रास्ते भारत आ रहे जहाज को ईरान ने जब्त कर लिया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कुल दो जहाजों को जब्त किया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया, ''होर्मुज को पार करने की कोशिश कर रहे दो जहाजों को कथित तौर पर ईरान के द्भत्रक्रष्ट ने जब्त कर लिया है और उन्हें ईरान ले जाया गया है।'' न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, गार्ड्स ने एक बयान में कहा, 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने आज सुबह होर्मुज स्ट्रेट में दो नियम तोड़ने वाले जहाजों की पहचान की और उन्हें रोक लिया।' ईरान के इस ऐक्शन से होर्मुज और मिडिल ईस्ट में एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है।

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने जिन दो जहाजों पर हमला करके उन्हें जब्त किया, उनमें से एक जहाज गुजरात आ रहा एक मालवाहक जहाज था। ईरान ने दोनों जहाजों पर नेविगेशन सिस्टम में हेरफेर करने और होर्मुज में सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग' द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, ये दोनों जहाज- जिनकी पहचान MSC-FRANCESCA और EPAMINODES के रूप में हुई है, इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरते समय कथित तौर पर नियमों के उल्लंघन में शामिल थे। इससे पहले, बुधवार को होर्मुज में कुल तीन कंटेनर जहाजों पर ईरान द्वारा हमले की बात सामने आई थी।

वर्दी में रीलबाजी करने वाले 48 पुलिसकर्मी पर गिरेगी गाज, लिस्ट तैयार; महिला थानेदार सस्पेंड

पटना (एजेंसी)। बिहार में ड्यूटी और वर्दी में सोशल मीडिया पर रील्स बनाने वाले पुलिस कर्मियों को बख्शा नहीं जाएगा। बिहार पुलिस मुख्यालय ने ऐसे 48 पुलिसकर्मियों को चिह्नित करते हुए उनकी लिस्ट तैयार कर ली है। अब उनके खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दे दिए गए हैं। इस क्रम में बुधवार को पूर्णिया की महिला थानाध्यक्ष शबाना आजमी को सस्पेंड कर दिया गया है। अन्य जिलों के एसपी को भी सूची में शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा गया है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर मशहूर होने की चाहत में कई पुलिस कर्मी थाना परिसर के अंदर या फिर वर्दी पहने हुए वीडियो अपलोड करते हैं। इससे पुलिस की साख खराब होती है। पुलिस मुख्यालय ने वर्दी और हथियार के साथ रील्स बनाने को अनुशासनहीनता बताया। रीलबाज पुलिसकर्मियों की निगरानी और उन पर सख्त कार्रवाई को लेकर बिहार पुलिस मुख्यालय के एआईजी (कार्मिक) ने सभी जिलों के एसपी को पत्र लिखा है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यालय के सोशल मीडिया सेल ने मॉनिटरिंग के दौरान इन पुलिसकर्मियों की पहचान की। इनके द्वारा लगातार वर्दी में, हथियार के साथ या थाना परिसर में रील बना कर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया जा रहा था। मीडिया सेल ने ऐसे करीब 4 दर्जन पुलिस अफसर और कर्मियों की सूची तैयार की, जिन पर कार्रवाई को लेकर पत्र लिखा गया है।

सभी पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत दी गई है कि इस तरह का आचरण नहीं रखेंगे अन्यथा सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि पुलिस मुख्यालय ने पिछले साल 16 दिसंबर को पुलिसकर्मियों के आचरण को लेकर एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) जारी की थी, जिसमें उनको रीलबाजी से बचने की सख्त सलाह दी गई थी। खास कर वर्दी में इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगाई गई थी। रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का शौक पूर्णिया की महिला थानाध्यक्ष शबाना आजमी को महंगा पड़ा। वर्दी में रील बनाने के आरोप में पूर्णिया की एसपी स्वीटी सहरावत ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही जिले तमाम पुलिस कर्मियों को सोशल मीडिया पर वर्दी वाले रील बनाकर डालने से परहेज की सख्त हिदायत दी गई है।

सूची में सबसे अधिक पटना के 16 पुलिसकर्मी शामिल

मुख्यालय के आदेश के मुताबिक कार्रवाई की सूची में सबसे अधिक 16 पुलिसकर्मी पटना जिले से हैं। इनके अलावा मधुबनी, किशनगंज, दरभंगा, नालंदा, गया, सीतामढ़ी, सहरसा, जमुई, मुंगेर सहित कई जिलों के दो से चार पुलिसकर्मियों के नाम शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ मुख्यालय के निर्देशानुसार एसपी कार्रवाई करेंगे।

ममता बनर्जी के कामों से खतरे में लोकतंत्र

बंगाल चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि यह अपने आप में एक ऐसे व्यक्ति का काम है, जो मुख्यमंत्री भी हैं और जिन्होंने लोकतंत्र को खतरे में डालने के लिए पूरे सिस्टम का इस्तेमाल किया है।

इस साल की शुरुआत में जनवरी महीने में ईडी ने आई-पैक के कई ठिकानों पर छापे मारे थे। इस दौरान, खुद ममता बनर्जी आईपैक के को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर में रेड के समय घुस गई थीं और कुछ फाइलें लेकर आ गई थीं। तब यह बड़ा राजनैतिक मुद्दा बना था। केंद्रीय एजेंसी ने आरोप लगाया है कि बनर्जी ने उस जगह से अहम सबूत हटा दिए। कोर्ट ने ममता बनर्जी के खिलाफ तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके कामों ने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री, किसी जांच के बीच में, किसी जगह पर इस तरह से नहीं घुस सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान बनाने वाले इस काम को मंजूरी नहीं देते। उन्होंने कहा, 'आपने हमें सीरवाई और अंबेडकर के लेखों के बारे में बताया, लेकिन उनमें से किसी ने भी इस देश में ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की होगी कि एक दिन कोई मौजूदा मुख्यमंत्री, जब कोई जांच चल रही हो, तो दफ्तर में चला जाएगा।''

कश्मीर यूनिवर्सिटी का साइंटिस्ट रेप केस में गिरफ्तार, नौकरी से किया गया निलंबित

श्रीनगर (एजेंसी)।

कश्मीर यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंसेज डिपार्टमेंट के एक वैज्ञानिक को रेप केस में गिरफ्तारी के बाद नौकरी से निलंबित कर दिया गया है. यूनिवर्सिटी के एडमिनिस्ट्रेशन टीचिंग सेक्शन की तरफ से जारी एक ऑर्डर में कहा गया कि सज्जाद मोहम्मद खान को हिरासत में लेने के बाद तुरंत सस्पेंड कर दिया गया. यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1956 के रूल 31 के तहत, महिला पुलिस स्टेशन रामबाग में दर्ज एफआईआर नंबर 11/2026 के संबंध में की गई.

पुलिस ने बताया कि श्रीनगर के सौरा के रहने वाले खान पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 के तहत मामला दर्ज किया गया है. 28 साल की महिला की शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने 2018 में उससे संपर्क किया और रिलेशनशिप में आ गया. महिला का आरोप है कि उसने शादी का वादा करके उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए. उसने कहा कि वह कई बार प्रेग्नेंट हुई और उसके कहने पर प्रेग्नेंसी खत्म कर दी गई. महिला ने उस पर पैसे का गलत इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया. उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने मेडिकल जरूरतों समेत कई बहाने बनाकर उस पर पैसे का इंतजाम करने का दबाव डाला. महिला ने दावा किया कि उसने बडगाम के कनिहामा इलाके में जमीन बेच दी, सोने के गहने बेच दिए, और श्रीनगर में यूको बैंक की ब्रांच से उसके नाम पर लोन ले लिया.

बंगाल में यूपी के सीएम ने कहा- किसी भी माई के लाल को बंगाल की अस्मिता से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा

कोलकाता (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज महानगर कोलकाता के जोड़ासांको में रैली व पार्टी की सभा से जहां भाजपा के उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार किया वहीं उन्होंने सीएम ममता बनर्जी को ललकारा। सीएम योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 4 मई को भगवा लहराएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुआ-भतीजा बंगाल का अस्तित्व मिटाना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है कि यहां ऊर्दू चलेगी। किसी भी माई के लाल को बंगाल की अस्मिता से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता का उत्साह इस बात का संकेत है कि लोग अब बंगाल की संस्कृति और विरासत को बचाने के लिए परिवर्तन चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह भूमि स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणास्थली रही है और आज भी जनशक्ति को दिशा देती है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में बेरोजगारी बढ़ी है, कई उद्योग बंद हुए हैं और किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हुए हैं और जनता अब बेहतर शासन की अपेक्षा कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि, बड़ा बाजार सबसे समृद्धतम व्यापारिक क्षेत्रों में अन्यतम है। जहां व्यापार, साहित्य, कला, सांस्कृतिक परंपरा व पौराणिक कालीबाड़ी मंदिर के लिए भी यह क्षेत्र जाना जाता है। हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना है और कठमुल्लेपन को बढ़ावा देने वालों को हर हाल में रोकना है।

योगी ने मतदाताओं से अपील की कि लोकतंत्र ने आपको जो ताकत दी है, अपने वोट के जरिए उसका सही इस्तेमाल कीजिए। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नारे पर भी निशाना साधते हुए कहा, वे कहती हैं 'खेला होबे', लेकिन हम कहने आए हैं 'एबार खेला शेष, उन्नयन शुरू'। बड़ा बाजार के सत्यनारायण पार्क में उत्तर कोलकाता की विभिन्न विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में योगी ने दावा किया कि पहले चरण में भाजपा 80 प्रतिशत सीटें जीत रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब उपद्रव नहीं, उत्सव का माहौल है और माफिया राज समाप्त हो चुका है। यदि कोई अपराधी सिर उठाता है, तो सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है।सीएम योगी ने कहा कि आज रवींद्रनाथ टैगोर, अरविंद घोष, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की पावन धरा में टीएमसी के गुंडे चीरहरण कर रहे हैं, लूट रहे हैं। टीएमसी टेरर, माफिया राज व करप्शन का पर्याय बन गई है।

सोनपुर में बड़ा हादसा, गंडक नदी में एक ही परिवार के 4 लोग डूबे; ननद-भौजाई के शव मिले

सोनपुर (संवाददाता)।

बिहार के सोनपुर में बुधवार को एक ही परिवार के 4 लोग गंडक नदी में डूब गए। दो महिलाओं के शव बरामद कर लिए गए हैं। दोनों आपस में ननद और भौजाई बताए जा रही हैं। वहीं, एक लड़का और एक लड़की लापता है। एक महिला और दोनों बच्चे नालंदा जिले के रहने वाले थे और शादी समारोह में शामिल होने सोनपुर आए थे। वहीं, एक महिला सोनपुर की रहने वाली थी। एसडीआरएफ की टीम लापता बच्चों की तलाश कर रही है। यह हादसा सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र स्थित बैजलपुर केशो गांव में हुआ।

बताया जा रहा है कि ननद-भौजाई और दोनों बच्चे बाबा जड़भरत स्थान घाट पर बुधवार सुबह गंडक नदी में नहाने पहुंचे। गहरे पानी में जाने के चलते वे डूब गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस एवं प्रशासन को दी। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। जिन दो महिलाओं के शव बरामद किए गए हैं, उनमें एक की पहचान 45 वर्षीय बबीता देवी के रूप में हुई है। वह सोनपुर थाना क्षेत्र के बैजलपुर निवसी जनार्दन सिंह की पत्नी थी। जबकि दूसरी मृतका की पहचान 35 वर्षीय गुड़िया देवी के रूप में हुई है। वह नूरसराय थाना क्षेत्र के बरुई पर बगहार जिला नालंदा निवासी रवि सिंह की पत्नी थी।

वहीं, गुड़िया देवी की 15 साल की बेटी रिया कुमारी और 12 साल का बेटा रिशु कुमार भी डूबा है। उनकी तलाश एसडीआरएफ की टीम कर रही है। दोनों बच्चों की भी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गुड़िया देवी अपने दोनों बच्चों के साथ अपनी भौजाई बबीता देवी की बेटी की शादी में शामिल होने सोनपुर आई थी। 20 अप्रैल को शादी हुई थी और 21 अप्रैल को विदाई हुई थी। शादी के दूसरे दिन ही दुखद हादसा होने से घर-परिवार में कोहराम मच गया है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

सुपौल में भी हादसा, कोसी नदी में डूबीं चार लड़कियां

बुधवार को सुपौल जिले में भी इसी तरह का हादसा हुआ। गोपालपुर सिरे गांव की 4 लड़कियां नहाने के दौरान कोसी नदी में डूब गईं। इनमें से तीन बच्चियों की मौत हो गई, जबकि एक लापता है। सभी बच्चियों की उम्र 10 से 12 साल के बीच थी। एनडीएआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया है। अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू अभियान नहीं चलाया जा सका। अब गुरुवार सुबह लापता बच्ची की तलाश की जाएगी।

बिहार के सरकारी स्कूल में प्रतिबंधित मांस मिलने पर बवाल, दो शिक्षिकाओं समेत 5 टीचर निलंबित

सासाराम (संवाददाता)। बिहार के रोहतास जिले एक सरकारी स्कूल में प्रतिबंधित मांस मिलने पर बवाल मच गया। यह मामला राजपुर के रामुडीह उर्दू मध्य विद्यालय का बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने शिक्षकों के खिलाफ विद्यालय परिसर में जमकर नारेबाजी की। इससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। एहतियातन कई थानों की पुलिस को मौके पर बुलाया गया। हंगामा बढ़ने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) ने स्कूल के पांच टीचर को तुरंत सस्पेंड कर दिया। निलंबित टीचर में दो शिक्षिकाएं भी शामिल हैं। प्रतिबंधित मांस कौन लाया था, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जानकारी के अनुसार, रामुडीह स्थित उर्दू मध्य विद्यालय में शिक्षकों द्वारा प्रतिबंधित मांस विद्यालय में लाने पर ग्रामीणों ने बुधवार को जमकर हंगामा किया। उन्होंने विद्यालय परिसर नारेबाजी की। हंगामे की सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ बिक्रमगंज एसडीएम मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का हंगामा देख पुलिस पांच शिक्षकों को अपने साथ थाने ले गई। बताया जाता है कि प्रतिबंधित मांस का वीडियो वायरल होने पर ग्रामीण हंगामा कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें स्कूल में प्रतिबंधित मांस होने की सूचना मिली थी। इससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। मामले में थानाध्यक्ष अंशु माला ने बताया कि मामले की जांच कर वरीय अधिकारी के दिशानिर्देश के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मामले की गंभीरता को देख डीएम उदिता सिंह एवं एसपी रौशन कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने शिक्षकों पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। वहीं शांति व्यवस्था को लेकर नासरीगंज, काराकाट, कच्छवा, संझौली समेत अन्य थाने के पुलिस भी मौके पर पहुंची। एसपी ने कहा कि एफएसएल टीम से मांस की जांच कराकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फॉरेंसिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह मांस प्रतिबंधित था या नहीं। डीईओ मदन राय ने बुधवार को कहा कि उन्हें उक्त स्कूल में प्रतिबंधित मांस रखे जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद उन्होंने इस सूचना का सत्यापन कराया। फिर उर्दू मध्य विद्यालय रामुडीह राजपुर के पांच शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित होने वाले शिक्षकों में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अख्तर अली, विद्यालय अध्यापक इमरान, सुफिया खातून, हिना कौसर एवं विशिष्ट शिक्षक अनवर खान शामिल हैं।

काशी जैसा हरिहर नाथ कॉरिडोर, 11 टाउनशिप; सम्राट कैबिनेट की पहली बैठक में कई बड़े फैसले

पटना (संवाददाता)। बिहार के सोनपुर स्थित बाबा हरिहर नाथ धाम में वाराणसी की तर्ज पर कॉरिडोर बनाया जाएगा, इसके लिए 680 करोड़ रुपये खर्च होंगे। राज्य में 11 नई सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएंगी, इनमें जमीन खरीद-बिक्री, नए निर्माण आदि पर मास्टर प्लान बनने तक रोक लगा दी गई है। नवनियुक्त मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई पहली राज्य कैबिनेट की बैठक में ये फैसले लिए गए। इस बैठक में कुल 22 एजेंडों पर मुहर लगाई गई।

सम्राट कैबिनेट की बैठक खत्म होने के बाद मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बुधवार शाम यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्कूल-कॉलेज जाने वाली लड़कियों की सुरक्षा के लिए पुलिस दीदी का गठन किया है। उनके लिए 1500 स्कूटी और पुलिस कर्मियों के लिए 3200 मोटर साइकिल की खरीद की जाएगी। इसके लिए कुल 66.75 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

राज्य सरकार ने युवाओं को रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 75 आईटीआई को आधुनिक कौशल केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस योजना पर कुल 3,615 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसमें राज्य सरकार 1,192 करोड़ रुपये वहन करेगी। वहीं, सम्राट चौधरी सरकार ने आईआईटी पटना में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 344 करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दी है। इसमें 305 करोड़ रुपये की लागत से रिसर्च पार्क और 39 करोड़ रुपये से इनक्यूबेशन सेंटर के दूसरे चरण का निर्माण किया जाएगा।

बिहार के प्रमुख शहरों के आसपास सैटेलाइट ग्रीनफील्ड टाउनशिप विकसित की जाएंगी। इसके लिए चयनित क्षेत्रों में जमीन के क्रय-विक्रय और निर्माण संबंधी गतिविधियों पर नियंत्रण लगा दिया गया है। ये टाउनशिप पटना, सोनपुर, गयाजी, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, छपरा, भागलपुर और सीतामढ़ी में विकसित की जानी हैं। मास्टर प्लान बनने तक इनके कोर क्षेत्रों में जमीन की खरीद-बिक्री नहीं हो सकेगी।

बिहार में मनचलों पर बरसेगा पुलिस का डंडा, सम्राट सरकार 1500 स्कूटी और 3200 बाइक खरीदेगी

पटना (संवाददाता)। बिहार में स्कूल और कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राओं की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार ने अहम फैसला लिया है। बच्चियों की सुरक्षा के लिए गठित की गई पुलिस दीदी (अभया ब्रिगेड) को अब सरकार स्कूटी एवं बाइक मुहैया करेगी। सम्राट कैबिनेट की पहली बैठक में इसके लिए 66.75 करोड़ रुपये के बजट को मंजूदी दी गई है। इसके तहत पुलिस दीदी के लिए 1500 स्कूटी और पुलिस कर्मियों के लिए 3200 बाइक की खरीद की जाएगी।

पिछले साल ही नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने छात्राओं की सुरक्षा के लिए अभया ब्रिगेड बनाने का फैसला लिया था। राज्य के सभी प्रमुख शहरों एवं कस्बों में स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों के आसपास इनकी तैनाती की गई है। इसमें विशेष तौर पर महिला पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की गई है, जिन्हें पुलिस दीदी कहा जाता है। अब सम्राट सरकार इन्हें स्कूटी-बाइक मुहैया कराएगी। ताकि स्कूल-कॉलेज, कोचिंग आने जाने वाली छात्राओं को परेशान करने वाले मनचलों को आसानी से पकड़ सकें। राज्य सरकार ने पुलिस के लिए खरीदी जाने वाली एक स्कूटी की लागत 1,25,000 रुपये तय की गई है। वहीं, एक मोटर साइकिल की दर डेढ़ लाख रुपये तय की गई है।

सम्राट कैबिनेट के अन्य प्रमुख फैसले- सोनपुर में काशी की तर्ज पर हरिहर नाथ कॉरिडोर बनेगा, 680 करोड़ का बजट मंजूर। मुंगेर के तारापुर में पर्यटन सुविधाओं का विकास होगा। राज्य भर में 11 नई सैटेलाइट टाउनशिप विकसित की जाएंगी, इनके मास्टर प्लान बनने तक कोर क्षेत्र के जमीन खरीद-बिक्री पर रोक। आपातकालीन प्रतिक्रिया साहया प्रणाली और पुलिस डेटा सेंटर भवन निर्माण के लिए 1728 करोड़ रुपये की स्वीकृति। अग्निशमन सेवाओं के लिए 62 मीटर ऊंचे हाइड्रोलिक फायर प्लेटफॉर्म की खरीद पर 18 करोड़ रुपये की मंजूरी। नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के लिए 50 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के लिए सात एकड़ भूमि हस्तांतरण के प्रस्ताव को मंजूरी। सोनपुर तथा अजगैबीनाथ मंदिर क्षेत्र (सुल्तानगंज) में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कराने को मंजूरी दी गई, इस पर 5.06 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सड़क दुर्घटनाओं को राज्य आपदा घोषित करने, मृतकों और घायलों को राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से सहायता देने की मंजूरी।

नितिन–सम्राट की बैठक में तावड़े दिखे, बहुमत के बाद विस्तार

कैबिनेट में बीजेपी से कौन-कौन मंत्री?

पटना (संवाददाता)। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सप्ताह भर पुरानी एनडीए सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार अटकलों के दौर से गुजर रहा है। सम्राट चौधरी दिल्ली दौरे से पटना लौट आए हैं। पटना लौटते ही वो जेडीयू अध्यक्ष और पूर्व सीएम नीतीश कुमार से मिलने गए। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा सम्राट ने भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन समेत कई नेताओं से मुलाकात की। नितिन से मुलाकात के दौरान सम्राट के साथ बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े की मौजूदगी रही, जो संकेत है कि कैबिनेट विस्तार में मंत्री बनने वाले भाजपा नेताओं पर चर्चा शुरू हो चुकी है। नीतीश सरकार में भाजपा के दो डिप्टी सीएम समेत 14 मंत्री थे, जबकि जदयू के सीएम समेत 9 मंत्री थे। लोजपा-आर के 2 और हम व रालोमो के 1-1 मंत्री थे।

फिलहाल सीएम और दो डिप्टी सीएम से चल रही सरकार की जिम्मेदारियां भाजपा, जदयू, लोजपा-आर, हम और रालोमो के नेताओं के हाथों में कैबिनेट विस्तार से जाएंगी। लोजपा, हम और रालोमो के मंत्रियों की संख्या और चेहरे में बदलाव की गुंजाइश कम है। जो नए मंत्री आ सकते हैं, वो भाजपा और जदयू की लिस्ट में दिखेंगे। नए नेताओं को जगह मिलने पर नीतीश सरकार में मंत्री रहे एकाध पुराने चेहरों की विदाई हो जाएगी। नीतीश ने जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव को पहले ही दिन डिप्टी सीएम बनवा दिया था। श्रवण कुमार भी विधायक दल के नेता भी बना दिए गए हैं।

सीएम सम्राट 24 अप्रैल को विधानसभा में बहुमत साबित करेंगे। इसके बाद मई महीने की शुरुआत में बाकी मंत्रियों को शपथ दिलाई जा सकती है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में आखिरी चरण के मतदान के फौरन बाद भी मंत्रिमंडल विस्तार की कुछ अटकलें है, लेकिन संभावना है कि चुनाव नतीजों के बाद ही यह हो पाएगा। अभी बिहार से भाजपा के बहुत सारे विधायक और नेता बंगाल में पार्टी के प्रचार में जुटे हैं। पार्टी नेतृत्व का पूरा फोकस इस समय चुनाव पर है।

कैबिनेट विस्तार के मद्देनजर सबसे ज्यादा चर्चा पूर्व उप-मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को लेकर हो रही है। पिछली विधानसभा के शुरुआती दौर में स्पीकर रहे विजय की नीतीश और सम्राट से सदन के अंदर बहस की बात हो रही है।

राजस्व मंत्री के तौर पर विजय के तेवर और काम की गिनती हो रही है। सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि विजय कैबिनेट में वापसी करते हैं या नहीं। वापसी होती है तो मंत्रालय पुराना रहता है या उससे ऊपर या कमतर। याद दिला दें कि सम्राट को नेता चुनने का प्रस्ताव विजय ने ही रखा था और मीडिया से कहा था कि पार्टी के कमांडर के आदेश से गठबंधन की राजनीति को लेकर चलने के लिए उन्होंने सम्राट चौधरी के नाम का प्रस्ताव रखा।

सीएम पद से नीतीश के इस्तीफे के समय सरकार में भाजपा के मंत्रियों में सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के अलावा मंगल पांडे, दिलीप जायसवाल, रामकृपाल यादव, सुरेंद्र मेहता, संजय सिंह टाइगर, अरुण शंकर प्रसाद, नारायण प्रसाद, रमा निषाद, लखेंद्र रौशन, श्रेयसी सिंह और प्रमोद चंद्रवंशी का नाम था। सरकार गठन के समय बने 14 मंत्रियों में एक नितिन नवीन ने भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद मंत्री पद छोड़ दिया था।

बिहार में नई सरकार के कैबिनेट विस्तार का फॉर्मूला होगा पुराना, सिर्फ एक फर्क रहेगा : नई सरकार में कुशवाहा सीएम, यादव और भूमिहार डिप्टी सीएम बन जाने से इन तीन जातियों के पुराने मंत्री तनाव में हैं। राजपूत जाति से पिछली सरकार में 4 मंत्री थे, जिनकी संख्या के बढ़ने-घटने पर भी सबकी नजर होगी। कैबिनेट में नीतीश मिश्रा, नीरज सिंह बबलू, जीवेश मिश्रा जैसे भाजपा नेताओं की वापसी पर भी अटकलबाजी चल रही है। भाजपा जिस तरह सभी वर्ग, जाति और क्षेत्र को साधने की कोशिश करती है, उसमें किसे दोबारा कुर्सी मिलेगी और कौन पूर्व मंत्री ही रह जाएंगे, यह कहना बहुत मुश्किल है।

बच्चों का भविष्य हमारी थाली में : पोषण, परवरिश और जीवनशैली का समग्र दृष्टिकोण

सुश्री नमिता पाण्डेय (पोषण सलाहकार, यूनिसेफ़)

रायपुर। सुश्री नमिता पाण्डेयआज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुन: रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं। बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है। वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहाँ मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं। '7 स्टार भोजन थाली' एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें विभिन्न पोषक तत्वों अतिरिक्त कैलोरी प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, तरल पदार्थ और विटामिन की पर्याप्त मात्रा का समावेश कर माँ और बच्चे दोनों के लिए आवश्यक पोषण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएँ न केवल माँ को प्रभावित करती हैं, बल्कि बच्चे के जन्म के समय वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मस्तिष्क विकास पर भी गहरा असर डालती हैं। पोषण पखवाड़ा हमें यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य कोई सीमित समय का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर विकसित होने वाली संस्कृति है। यह संस्कृति हर घर की रसोई, हर स्कूल के टिफिन और हर मोहल्ले के खेल मैदान में विकसित होती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी प्राथमिकताओं को बदलें मोबाइल से मैदान की ओर, जंक फूड से पारंपरिक आहार की ओर और लापरवाही से जागरूकता की ओर। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही सशक्त छत्तीसगढ़ और समृद्ध भारत की सबसे मजबूत नींव है।

सिम्स का जन औषधि केंद्र राज्य में सर्वश्रेष्ठ घोषित, प्रोत्साहन कार्यक्रम सम्पन्न

रायपुर।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (PMBJP) भारत सरकार की एक पहल है, जो आम जनता को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50% से 90% कम कीमत पर उच्च गुणवत्ता वाली जेनेरिक दवाएं (Generic Medicines) उपलब्ध कराती है। यह योजना आम लोगों, विशेषकर गरीबों के लिए चिकित्सा खर्च को कम करने और सस्ती, सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है। इसका उद्देश्य महंगी दवाओं के बोझ को कम करना और स्वास्थ्य सेवा में पारदर्शिता, गुणवत्ता व किफायत में सुधार लाना। सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य के लिए सिम्स बिलासपुर में भारतीय रेडक्रास सोसाइटी द्वारा संचालित जन औषधि केंद्र को वर्ष 2024-25 में राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ जन औषधि केंद्र घोषित किया गया। इस उपलब्धि पर आज कलेक्टर संजय अग्रवाल की मौजूदगी में प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित कर केंद्र से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं रेडक्रास सोसायटी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल (आईएएस) थे। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह योजना न केवल सस्ती दवाएं प्रदान करके सार्वजनिक स्वास्थ्य में योगदान देती है, बल्कि रोज़गार के अवसर भी सृजित करती है। नागरिकों को उनके चिकित्सा खर्चों पर काफी बचत करने में मदद मिलती है। अध्यक्षता सिम्स के डीन डॉ. रमनेश मूर्ति ने की। इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन डॉ. बी.एल. गोयल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शुभा गरेवाल तथा मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ.लखन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जन औषधि केंद्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जन औषधि केंद्रों के माध्यम से आम नागरिकों को सस्ती और गुणवत्ता पूर्ण दवाएं उपलब्ध हो रही हैं। इससे लोगों का उपचार खर्च कम हो रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिल रही है। उन्होंने केंद्र के संचालन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनसेवा की भावना से कार्य करते रहने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का संचालन और आभार ज्ञापन रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला समन्वयक सौरभ सक्सेना ने की।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क निर्माण को मिलेगी नई रफ्तार

रायपुर। केंद्र सरकार ने वामपंथी उग्रवाद (Left Wing E&tremism) से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क संपर्क को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रोड कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट फॉर लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म अफेक्टेड एरियाज (RCPLWEA) तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY-I) की अवधि तक तक बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लंबित सड़क निर्माण कार्यों को पूरा करने में नई गति मिलेगी। केंद्र सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में सड़क संपर्क को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। योजनाओं के तहत पहले से स्वीकृत परियोजनाओं के शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों तक बेहतर आवागमन की सुविधा सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने केंद्र सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास और वहां के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार संवेदनशील और प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है। सड़क बनने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार तक पहुंच आसान होती है और विकास की गति तेज होती है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं की अवधि बढ़ने से बस्तर सहित राज्य के दूरस्थ और आदिवासी अंचलों में सड़क निर्माण कार्यों को पूरा करने में तेजी आएगी।

महतारी वंदन योजना से सशक्त हुई महिलाएं, श्रीमती सरस्वती केंवट ने बढ़ाया अपना होटल व्यवसाय

रायपुर।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात देते हुए महतारी वंदन योजना की 25वीं किस्त का अंतरण किया। राज्य स्तरीय वृहद महतारी वंदन सम्मेलन के माध्यम से प्रदेशभर की महिला हितग्राहियों के खातों में योजना की राशि अंतरित की गई। राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने वर्चुअल माध्यम से जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम तेंदुभाठा की हितग्राही श्रीमती सरस्वती केंवट से संवाद कर योजना से मिले लाभ और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की जानकारी ली। श्रीमती सरस्वती केंवट इस योजना की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग अपने छोटे होटल व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। आज उनके इस प्रयास से होटल व्यवसाय अच्छी तरह संचालित हो रहा है और उन्हें हर महीने लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक की आय होने लगी है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने उनके इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है।

संवाद के दौरान श्रीमती सरस्वती केंवट ने मुख्यमंत्री को अपने होटल आने का स्नेहपूर्ण निमंत्रण देते हुए कहा कि वे उनके होटल में आकर चाय और नाश्ता जरूर करें। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए उनका निमंत्रण स्वीकार करते हुए कहा, 'हम आपके होटल जरूर आएंगे... हमें चाय पिलाइएगा और भजिया-पकोड़ा भी खिलाइएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में और अधिक सशक्त बनाना है। मुख्यमंत्री के साथ हुए इस संवाद से श्रीमती सरस्वती केंवट और उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनका यह प्रयास क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रहा है। मुख्यमंत्री के साथ हुए इस संवाद से श्रीमती सरस्वती केंवट और उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनका यह प्रयास क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रहा है।

छत्तीसगढ़ की पुरातत्वीय धरोहरों के संरक्षण को मिला नया संबल, तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ सफल समापन

21 जिलों से आए जिला पुरातत्व संघों के प्रतिनिधियों ने रीवांगढ़ उत्खनन स्थल और पुरखौती मुक्तांगन का किया भ्रमण

रायपुर।

प्रदेश की समृद्ध पुरातत्त्वीय और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन तथा उनके प्रति जनभागीदारी को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 'जिला पुरातत्त्वीय संघों के निर्माण एवं कार्यविधियां' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 21 जिलों से आए जिला पुरातत्त्व संघों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों को नव उत्खनित पुरास्थल रीवांगढ़ व पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय का परिभ्रमण कराया गया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा उन्हें प्राचीन स्थलों की पहचान, उत्खनन की प्रक्रिया, प्राप्त पुरावशेषों के संरक्षण और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने इन स्थलों का अवलोकन कर प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत के महत्व को निकट से समझा।

समापन अवसर पर पुरखौती मुक्तांगन संग्रहालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में संभाग स्तर पर भी आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी स्थानीय ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रेरित हो सकें। संस्कृति विभाग के संचालक श्री विवेक आचार्य ने कहा कि यह कार्यशाला प्रदेश की पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अनेक ऐसे प्राचीन स्थल, स्मारक और पुरावशेष मौजूद हैं, जो राज्य के गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं के साक्षी हैं। इन धरोहरों की पहचान, संरक्षण और उनके महत्व के प्रति समाज को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। जिला पुरातत्त्वीय संघों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर लोगों को जोड़कर इन धरोहरों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब स्थानीय समुदाय अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के महत्व को समझता है, तब उनके संरक्षण का कार्य और अधिक प्रभावी हो जाता है। इसी उद्देश्य से इस कार्यशाला के माध्यम से जिला पुरातत्त्व संघों के प्रतिनिधियों को आवश्यक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान किया गया है, जिससे वे अपने-अपने क्षेत्रों में पुरातत्त्वीय स्थलों की पहचान और संरक्षण के कार्य में सक्रिय भूमिका निभा सकें। समापन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित पद्मश्री डॉ. अजय मंडावी तथा आयोजन के प्रभारी डॉ. पीसी पारख ने प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है और इसके संरक्षण में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस प्रकार के आयोजन न केवल ज्ञानवर्धन करते हैं, बल्कि लोगों को अपनी धरोहरों के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। कार्यक्रम का संचालन पुरातत्त्ववेत्ता प्रभात कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. वृषोत्तम साहू, प्रवीन तिर्की, डॉ. राजीव मिंज, विष्णु नेताम, समीर टल्लू, मुकेश जोशी, अमर भरतद्वाज, नूतन एक्का तथा अरुण निर्मलकर सहित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। तीन दिवसीय इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण, प्रबंधन, उत्खनन कार्यों की प्रक्रिया, संग्रहालयों के संचालन तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने की कार्यप्रणाली के बारे में व्यावहारिक और उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। इससे न केवल प्रदेश में पुरातत्त्वीय धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए एक सशक्त जनआंदोलन को भी बढ़ावा मिलेगा।

चीन ने ईरान को भेजा था गिफ्ट, हमने पकड़ लिया; डोनाल्ड ट्रंप ने फिर लगाया बड़ा इल्जाम, भड़केगा ड्रैगन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर बातों बातों में यह इल्जाम लगाया है कि चीन ईरान को युद्ध में हथियार और दूसरी मदद पहुंचा रहा है। ट्रंप ने एक बयान में कहा कि चीन से ईरान के लिए एक गिफ्ट भेजा गया था, लेकिन इसे अमेरिका ने पकड़ लिया है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि ये अमेरिका के लिए धैर्य की परीक्षा है। बता दें कि अमेरिका ने चीन और पहले भी इस तरह के आरोप लगाए हैं। हालांकि चीन ने इसे बेबुनियाद बताते हुए आरोपों को खारिज किया है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने CNBC को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि US को चीन से गिफ्ट ले जाने वाली नाव मिली है। ट्रंप ने कहा, 'हमने कल एक जहाज पकड़ा जिस पर कुछ चीजें थीं, जो बहुत अच्छी नहीं थीं,

शायद चीन से कोई गिफ्ट, मुझे नहीं पता। मुझे लगा कि प्रेसिडेंट शी और हमारे बीच सहमति है, लेकिन ठीक है। जंग ऐसे ही चलती है, है ना?'

गौरतलब है कि इससे पहले अमेरिका ने ईरान के झंडे वाले कंटेनर जहाज तुस्का को जब्त कर लिया है, जिससे तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कहा है कि शिप से कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई हैं। मंगलवार को

50 फीसदी टैरिफ की धमकी

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि अगर चीन ईरान को हथियार या युद्ध से जुड़ा सामान देता है, तो यह अमेरिका की रेड लाइन को पार करने जैसा होगा। बता दें कि ट्रंप पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि जो देश ईरान को हथियार देगा, उस पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाया जा सकता है और इसमें कोई छूट नहीं होगी। ऐसे में नए आरोपों के बाद दोनों देशों के बीच नई जुबानी जंग छिड़ सकती है।

रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने एक बयान में कहा था कि इस शिप से चीन ईरान को मिसाइल केमिकल की डिलीवरी कर रहा था। वहीं अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक शिप पर कुछ धातु, पाइप और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल मिसाइल प्रोग्राम में भी किया जा सकता है। एक अधिकारी ने बताया कि यह जहाज पहले भी ऐसे सामान ले जा चुका है। अमेरिका ने पहले भी इस तरह के आरोप लगाए हैं कि युद्ध में चीन ईरान की मदद कर रहा है। हालांकि चीन ने आरोपों को खारिज किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने जब्त किए गए शिप को लेकर किए जा रहे दावों को भी झूठा बताया। उन्होंने एक बयान में कहा कि जहाज एक विदेशी कंटेनर शिप है और चीन का इससे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन सैन्य सामान के एक्सपोर्ट को बहुत सावधानी और जिम्मेदारी के साथ करता है।

जनता और सरकार के बीच मजबूत कड़ी हैं सिविल सेवक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल सेवा दिवस के मौके पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सिविल सेवकों को दिल से शुभकामनाएं दी हैं और उनके काम की सराहना की है। उन्होंने कहा कि सिविल सेवक ही वो मजबूत कड़ी हैं जो सरकार और जनता के बीच भरोसा बनाते हैं और देश के विकास को आगे बढ़ाते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, सिविल सेवा दिवस के अवसर पर सभी सिविल सेवकों को हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी प्रतिबद्धता उत्तरदायी शासन को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक संस्थाओं को मजबूत बनाने का कार्य निरंतर कर रही है। अभिनव, भविष्योन्मुखी और नागरिक-केंद्रित नीतियों के निर्माण से लेकर जमीनी स्तर पर उनके प्रभावी कार्यान्वयन तक, आपका कार्य लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डालता है। उन्होंने आगे कहा, जैसे-जैसे भारत नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है, आपकी सत्यनिष्ठा और संवेदनशीलता, कमियों को दूर करने, समावेशिता को बढ़ावा देने और राज्य तथा उसके नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आप सार्वजनिक सेवा के सर्वोच्च मानकों को निरंतर बनाए रखें और एक अधिक समतामूलक तथा प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में सार्थक योगदान देते रहें। वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा, सिविल सेवा दिवस के अवसर पर मैं सभी सिविल सेवकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और राष्ट्र के प्रति आपके समर्पण तथा अनुकरणीय सेवा के लिए अपनी सच्ची सराहना व्यक्त करता हूं। भारत की प्रशासनिक संरचना के एक स्थायी स्तंभ के रूप में शासन को सुदृढ़ करने और सार्वजनिक सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में आपके प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया, इस वर्ष का विषय विकसित भारत-नागरिक-केंद्रित शासन और अंतिम छोर तक विकास विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह पारदर्शी, जवाबदेह तथा नागरिक-केंद्रित शासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिसमें अंतिम छोर तक सेवा पहुँचाने और समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा, आज, मैं नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सिविल सेवा दिवस समारोह में मुख्य भाषण देने के लिए भी उत्सुक हूं। आइए, हम सभी इस दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाएं और एक समावेशी तथा विकसित भारत के निर्माण की दिशा में मिलकर कार्य करते रहें।

पीएम मोदी के झालमुड़ी खाने से बदला माहौल?

अब दुकानदार की एक अपील; टीएमसी की वहीं पर रैली

कोलकाता (एजेंसी)। झारग्राम में पीएम नरेंद्र मोदी का झालमुड़ी मोमेंट फिलहाल चुनाव का माहौल बदलता दिख रहा है। इसका चुनाव पर इतना असर हुआ है कि तृणमूल कांग्रेस ने भी उसी रोड से महिलाओं की रैली निकाली है, जहां मौजूद दुकान पर रुककर पीएम नरेंद्र मोदी ने झालमुड़ी खुलवाई थी। फिलहाल झालमुड़ी बेचने वाले दुकानदार विक्रम साव एक सिलेब्रिटी जैसा फील कर रहे हैं। उनके यहां आकर झालमुड़ी खरीदने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसके अलावा बड़ी संख्या में मीडिया वाले भी उनके पास पहुंच रहे हैं। इस बीच झालमुड़ी विक्रेता विक्रम साव ने जनता से अपील की है कि पीएम मोदी के यहां रुकने को राजनीतिक रंग ना दिया जाए।

उन्होंने अपील करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी राजनीतिक ऐंगल न देखा जाए। विक्रम ने कहा कि मेरी दुकान पहले से यहां है और चर्चित है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के रुकने से पहले भी यहां बड़ी संख्या में लोग आते रहे हैं और मेरी दुकान फेमस रही है। ऐसे में हर राजनीतिक दल से जुड़े लोग मेरे यहां आते रहे हैं। इस तरह उन्होंने बंगाल चुनाव में किसी एक पक्ष में जाने से बचने की कोशिश की है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि बंगाल चुनाव में जिस विक्रम साव की इतनी चर्चा होने लगी है, वह खुद बिहार के गया के रहने वाले हैं। यही नहीं 12 साल पहले बंगाल आए विक्रम अब भी बिहार के ही मतदाता हैं और चुनाव आने पर वोट डालने के लिए अकसर जाते हैं। फिर भी पीएम मोदी के झालमुड़ी मोमेंट ने बंगाल चुनाव में नए ट्रेंड तो बदला है। हालात ऐसे हैं कि पीएम मोदी ने रुककर झालमुड़ी खाई थी और टीएमसी ने अगले ही दिन उसी रोड पर रैली निकलवा दी। इस रैली के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं सड़क के दोनों ओर प्लेकार्ड्स लिए खड़ी थीं।

विक्रम साव की अपील- पीएम के रुकने में राजनीति ना देखें

विक्रम साव ने तो साफ तौर पर अपील की है कि कृपया मेरे यहां पीएम के रुकने को राजनीतिक चश्मे से न देखें। उन्होंने कहा कि इस दुकान पर सभी दलों के लोग पहले भी आते रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरी दुकान पहले भी अच्छी चलती थी, लेकिन अब बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। इसके अलावा इतने फोन आते हैं कि मेरे लिए बात करना संभव नहीं है और मैंने अंत में फोन को ही स्विच ऑफ कर लिया है।

2500 करोड़ का बड़ा साइबर फ्रॉड, 85 फर्जी खातों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में 2500 करोड़ रुपये के बड़े साइबर फ्रॉड का खुलासा हुआ है। इस मामले में निजी बैंकों के अधिकारियों की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। राजकोट (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विजय गुर्जर के अनुसार, पाधाधरी स्थित यस बैंक के पर्सनल मैनेजर मौलिक कामानी, जामनगर स्थित एक्सिस बैंक के मैनेजर कल्पेश डांगरिया और एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर अनुराग बाल्धा को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया है कि मौलिक कामानी ने पहले से गिरफ्तार आरोपियों की मदद करते हुए संदिग्ध बैंक खाते खुलवाए और उनका संचालन किया।

अमेरिका-ईरान के झगड़े में फंस गई यूपी के एक जिले की 350 सड़कें, ठप पड़ा है काम

गोरखपुर (एजेंसी)। भीषण गर्मी में सड़कों से उखड़ रही गिट्टियों और उड़ती हुई धूल से राह तो दुश्वार है ही, सांसों में प्रदूषण भी घुल रहा है। सड़कों के गड्ढे और बड़े हो रहे हैं, लेकिन स्वीकृत होने के बाद भी सड़क निर्माण का काम ठप है। ठेकेदारों ने हाथ खड़े कर दिया हैं। कारण, तारकोल महंगा हो गया है। ईरान-अमेरिका युद्ध से उपजे तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा होने से यह स्थिति आई है। गोरखपुर की बात करें तो लोक निर्माण विभाग के चार खंडों में ही करीब 350 सड़कों का काम अटका हुआ है। शिकायतें आ रही हैं लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा है।

मध्य पूर्व में युद्ध शुरू होने के बाद बिटुमिन (तारकोल), इमल्शन एवं एलडीओ के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। अब तक 100 प्रतिशत कीमत बढ़ने से ठेकेदारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ब्लैक बिटुमिन 44,000 से बढ़कर 83,000 रुपये प्रति एमटी हो गया है। इसी प्रकार इमल्शन 44000 रुपये से बढ़कर 65000 रुपये में बिक रहा है। इस कारणों सड़क निर्माण मुश्किल हो गया है।

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों का दबाव है कि अनुबंध की शर्तों के अनुसार ठेकेदार सड़कों का निर्माण कराएं, जबकि ठेकेदारों ने हाथ खड़े कर दिए हैं। नुकसान होने की वजह से लामबंद हुए ठेकेदार मांग कर रहे हैं कि बढ़ी हुई कीमतों के अनुसार दरों का निर्धारण किया जाए। अंतरराष्ट्रीय कारणों से सड़क निर्माण में उपयोगी तारकोल की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो गई है। इस कारण सड़कों के निर्माण का कार्य कराना संभव नहीं है। लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार संघ ने मुख्य अभियंता को पत्र लिखकर अपनी मजबूरियां गिनाई हैं।

क्या कहते हैं जानकार?

उत्तर प्रदेश ठेकेदार कल्याण समिति के अध्यक्ष शरद सिंह ने इस बारे में बताया कि तारकोल की कीमत दोगुनी हो चुकी है। इसी कारण सड़कों का काम ठप हो गया है। दरों के निर्धारण के बाद ही काम शुरू हो सकेगा। इस मामले में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग से वार्ता की गई है। शासन से सहयोग मांगा गया है।

जलता रहा बॉयफ्रेंड, वीडियो बनाती रही गर्लफ्रेंड; वेस्टर्न स्टाइल में रोमांस का दी थी लालच

नई दिल्ली (एजेंसी)। किरण और 27 साल की प्रेरणा पिछले एक साल से रिलेशनशिप में थे। दोनों ही एक ही टेलीकॉम कंपनी में साथ काम करते थे। मंगलवार को जब प्रेरणा का भाई और मां घर पर नहीं थे, तब उसने किरण को अपने घर बुलाया। पुलिस जांच के अनुसार, प्रेरणा ने किरण को एक विदेशी स्टाइल में प्रपोजल देने के लिए कहा। उसने किरण को एक कुर्सी पर बैठाया और उसके हाथ-पैर बांधने शुरू कर दिए। जब किरण ने हाथ-पैर कसकर बांधने पर सवाल उठाया, तो प्रेरणा ने उसे यह कहकर शांत कर दिया कि यह एक रोमांटिक सरप्राइज का हिस्सा है। किरण ने अपनी प्रेमिका पर भरोसा किया और विरोध नहीं किया।

जैसे ही किरण पूरी तरह असहाय हुआ कि प्रेरणा ने उसके ऊपर पेट्रोल छिड़क दिया और आग लगा दी। कुर्सी से बंधे होने के कारण किरण के पास बचने का कोई रास्ता नहीं था और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने खुलासा किया है कि यह केवल एक हत्या नहीं थी, बल्कि एक विकृत मानसिकता का प्रदर्शन था। सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि जब किरण आग की लपटों में घिरा हुआ था तो आरोपी प्रेरणा अपने मोबाइल फोन से पूरी घटना का वीडियो बना रही थी। पुलिस को संदेह है कि पेट्रोल पहले से ही घर में लाकर रखा गया था। यह साबित करता है कि यह क्षण भर के गुस्से में की गई वारदात नहीं बल्कि एक सोची-समझी हत्या थी। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि प्रेरणा इस बात से बेहद नाराज थी कि किरण उसे नजरअंदाज कर रहा था और उसने शादी करने से इनकार कर दिया था। इसी गुस्से और बदले की भावना ने उसे इस क्रूर कदम को उठाने के लिए प्रेरित किया। शुरुआत में प्रेरणा ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने दावा किया कि वह वॉशरूम में थी और बाहर निकलने पर उसने किरण को जलते हुए पाया। हालांकि, सीसीटीवी फुटेज और फोरेंसिक सबूतों ने उसके झूठ की पोल खोल दी, क्योंकि किरण अपने साथ कोई ज्वलनशील पदार्थ लेकर नहीं आया था। पुलिस ने प्रेरणा को हिरासत में ले लिया है। हत्या का मोबाइल वीडियो पुलिस के लिए सबसे बड़ा सबूत बन गया है।

मणिपुर में 2 बच्चों की मौत के बाद नहीं थम रहा गुस्सा; विरोध-प्रदर्शन जारी, कामकाज ठप

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के बिष्णुपुर में एक घर पर रॉकेट हमला करने के बाद हुई 2 बच्चों की मौत के मामले में लोगों का गुस्सा नहीं थम रहा है। राज्य के पहाड़ी और घाटी, दोनों इलाकों में 5 दिन के पूर्णबंदी से कामकाज लगभग ठप हो गया है। रोजाना रात को अलग-अलग जिलों और इलाकों में मशाल जुलूस निकाले जा रहे हैं। रविवार रात को काकचिंग में और इंफाल के कीशमथोंग इलाके में भारी प्रदर्शन जारी रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या के विरोध में विभिन्न नागरिक समाज संगठनों और मीरा पैबी समूहों ने 5 दिवसीय पूर्ण बंद बुलाया है, जिससे मणिपुर में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित दिख रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में, इम्फाल-उखरूल सड़क पर 2 नागरिकों की हत्या और 3 अन्य के घायल होने के विरोध में यूनाइटेड नागा काउंसिल ने भी 3 दिन का बंद बुलाया है। अब प्रदर्शन में मैतेई, कुकी-जो और तटस्थ रहने वाला नागा समुदाय भी शामिल हो गया है। राज्य में वाणिज्यिक परिवहन सेवाएं सड़कों से नदारद हैं और स्कूल, कॉलेज, दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, निजी-सरकारी बैंक और निजी कार्यालय बंद रहे। घाटी और पहाड़ी दोनों जिलों की सड़कें लगभग सुनसान दिखाई दीं, केवल कुछ ही वाहन आपातकालीन स्थितियों में चल रहे थे। सरकार ने अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है।

एलियंस के संपर्क में था मशहूर लेखक डेविड विलकॉक? रहस्यमयी मौत से मची खलबली, परिवार खामोश

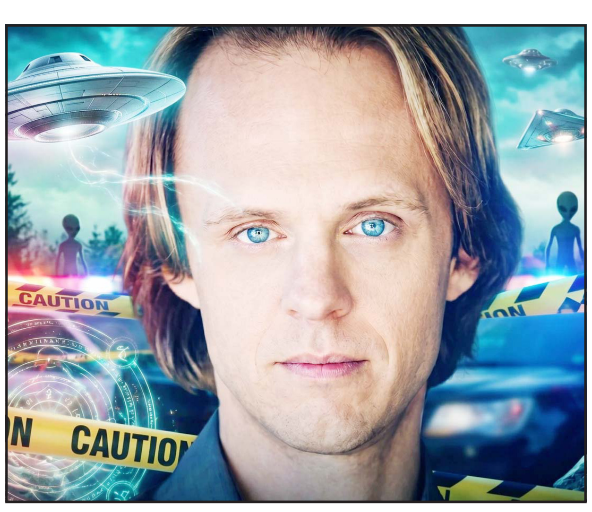

डेविड विलकॉक कौन हैं?

1973 में जन्मे डेविड विलकॉक पैरानॉर्मल यानी अलौकिक घटनाओं और 'न्यू एज' आध्यात्मिकता के क्षेत्र में अपने काम के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। डेविड विलकॉक ने अपना पूरा जीवन ब्रह्मांड के रहस्यों, चेतना के विकास और इस थ्योरी को साबित करने में लगा दिया कि प्राचीन काल में एलियंस का धरती पर आना-जाना था। उन्हें तब भारी प्रसिद्धि मिली जब उन्होंने एलियंस के साथ टेलीपैथिक संपर्क होने का दावा किया। साथ ही, वे खुद को मशहूर अमेरिकी भविष्यवक्ता 'एडगर केसी' का पुनर्जन्म बताते हैं। वे यूएफओ से जुड़े डिस्क्लोजर मूवमेंट के प्रमुख चेहरों में से एक हैं। उनका आरोप है कि सरकारें एलियंस के धरती पर आने, प्राचीन भविष्यवाणियों और एलियंस के हस्तक्षेप के जरिए मानव के विकास की बातों को आम जनता से छिपाती हैं।

यूएफओ विशेषज्ञों की मौतों का अजीब संयोग!

डेविड विलकॉक की मौत ने एक और बड़े रहस्य की ओर ध्यान खींचा है। फैंस इस घटना को अन्य मशहूर पैरानॉर्मल विशेषज्ञों की हालिया मौतों से जोड़कर देख रहे हैं। 'चैरियट्स ऑफ द गॉड्स' के लेखक और 'एंशिएंट एलियंस' के चर्चित चेहरे एरिक वॉन डेनिकन का इसी साल जनवरी में निधन हुआ था। इसके अलावा, ब्रिटिश सरकार के यूएफओ प्रोजेक्ट को संभालने वाले मशहूर विशेषज्ञ निक पोप का भी इसी महीने (अप्रैल) निधन हुआ है। कुछ ही समय के भीतर स्पेस और एलियंस पर रिसर्च करने वाले इन बड़े नामों के दुनिया से चले जाने को फैंस 'बेहद संदिग्ध' मान रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि क्या कोई जानबूझकर स्पेसॉलजी से जुड़े लोगों को निशाना बना रहा है।

विवादित थ्योरी

उन्होंने यूएफओ को क्वांटम फिजिक्स और 2012 की भविष्यवाणियों से जोड़ने वाले कई सिद्धांतों को बढ़ावा दिया है। यहां तक कि उन्होंने लंबे समय तक यह भी दावा किया कि 9/11 के आतंकी हमलों में एलियंस का भी कोई कनेक्शन था। वे 'डिवाइन कॉसमॉस' प्लेटफॉर्म के संस्थापक हैं और लोकप्रिय 'हिस्ट्री चैनल' के कई शोज में नजर आ चुके हैं।

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दुनिया भर में UFO, एलियंस और पैरानॉर्मल दुनिया के रहस्यों को उजागर करने वाले मशहूर लेखक और 'एंशिएंट एलियंस' फेम डेविड विलकॉक की कथित रहस्यमयी मौत की खबर ने इंटरनेट पर खलबली मचा दी है। हमेशा दूसरी दुनिया के जीवों और एलियंस के संपर्क को लेकर सनसनीखेज दावे करने वाले डेविड के निधन से उनके फैंस सदमे में हैं। दरअसल हाल ही में अमेरिकी सांसद अन्ना पॉलीना लूना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर डेविड विलकॉक के निधन की खबर शेयर की है। फ्लोरिडा की इस सांसद ने लिखा- हमें अभी-अभी डेविड विलकॉक के दुखद निधन की खबर मिली है। हम उनके परिवार, प्रियजनों और उन लाखों लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जिनके जीवन को उन्होंने प्रभावित किया।

कोलोराडो के बोल्डर काउंटी में मौत की एक जांच के बाद से यह दावा किया जाने लगा कि मशहूर पैरानॉर्मल लेखक और स्ट्रीमर डेविड विलकॉक का निधन हो गया है। सोशल मीडिया पर उनके निधन को लेकर कई पोस्ट किए गए हैं। हालांकि, खबर लिखे जाने तक विलकॉक के परिवार या उनके प्रतिनिधियों की ओर से उनकी मौत की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर चल रहे इन दावों के बावजूद उनके दोस्तों या परिचितों की ओर से भी कोई बयान सामने नहीं आया है। हम इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सकते हैं।

डेविड विलकॉक के साथ क्या हुआ : फेसबुक और अन्य प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट में बोल्डर के रिज रोड के पास हुई मौत की एक पुलिस जांच का लिंक शेयर किया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि इस घटना में जान गंवाने वाले व्यक्ति डेविड विलकॉक ही हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, बोल्डर काउंटी शेरिफ कार्यालय के आपातकालीन संचार प्रभाग को सोमवार, 20 अप्रैल को सुबह लगभग 10:44 बजे एक कॉल मिली थी। कॉलर की बात सुनकर पुलिस ऑपरेटर को लगा कि वह व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संकट से गुजर रहा था। सुबह 11 बजे के तुरंत बाद जब पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने घर के बाहर एक आदमी को हथियार लिए हुए देखा। अधिकारियों के पहुंचने के कुछ ही मिनटों के भीतर, उस व्यक्ति ने हथियार से खुद को खत्म कर लिया। यानी यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया।

अफवाहों के बीच फैंस में भारी चिंता : आधिकारिक पुष्टि न होने के बावजूद, लेखक के प्रशंसक इस खबर से काफी दुखी हैं। X और फेसबुक पर कई लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए इस घटना को दुखद बताया है। एक यूजर ने लिखा कि डेविड विलकॉक के बारे में बहुत दुखद खबर है। उनके पास एक शानदार दिमाग था जो सामान्य स्तर से कहीं आगे था। भावपूर्ण श्रद्धांजलि। एक अन्य यूजर ने लिखा- पहले निक पोप, फिर डेविड विलकॉक? यह क्या हो रहा है?

198 रन, 11 का औसत और 115 का स्ट्राइक रेट, पानी में बहे संजीव गोयनका के 48 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में संजीव गोयनकी की फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। इसके सबसे बड़े कारण कप्तान ऋषभ पंत और उप-कप्तान निकोलस पूरन हैं। पंत और पूरन का बल्ला आईपीएल 2026 में अबतक खामोश है। पंत ने एक मैच जिताया भी है तो पूरन का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है। दोनों खिलाड़ियों ने अबतक 11 पारियों में 11 के औसत और 115 के स्ट्राइक रेट से 198 रन ही बनाए हैं। पंत और पूरन का प्रदर्शन जिस तरह का है उसे देखकर तो फिलहाल लखनऊ सुपर जायंट्स के 48 करोड़ रुपये डूबते दिख रहे हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले निकोलस पूरन को 21 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। वहीं ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पंत के प्रदर्शन पर हमेशा निगाहें होती है, लेकिन पूरन पर बात नहीं होती। हालांकि, आईपीएल 2025 में पूरन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। इस सीजन वह संघर्ष ही करते दिखे हैं। पंत के लिए आईपीएल 2025 खराब रहा था। 6 मैच के बाद 2026 में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि 2025 की कहानी दोहराएगी।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में महेंद्र सिंह धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के पहले छह मैचों में नहीं खेल पाए। फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 शुरू होने से पहले जानकारी दी थी कि धोनी पहले दो हफ्ते नहीं खेल पाएंगे।

टी 20 वर्ल्डकप में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने ली थी ड्रग्स, पीसीबी कर रहा 9554 रन और 525 विकेट लेने वाले की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद नवाज नशे वाले ड्रग्स के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की जांच के दायरे में हैं। नवाज पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान ड्रग्स लेने का आरोप लगा है। इस वजह से इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट के लिए सरे के साथ की नवाज की डील टूट गई है। नवाज ने पाकिस्तान के लिए 98 टी20 खेले हैं। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में कुल 9554 रन बनाए हैं और 525 विकेट लिए हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार पीसीबी के एक प्रवक्ता ने बुधवार (21 अप्रैल) को बताया, 'इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को इस मामले के बारे में जानकारी दे दी है। पीसीबी ने आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया के परिणाम आईसीसी को बता दिए जाएंगे।' टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 32 साल के मोहम्मद नवाज ने 7 मैच खेले थे। 15 रन बनाने के अलावा 7 विकेट लिए थे। सरे के लिए नवाज 26 मई से 18 जुलाई तक चलने वाले ब्लास्ट के दौरान उपलब्ध रहने वाले थे। पीसीबी ने दो हफ्ते पहले बताया था कि नवाज को ब्लास्ट के लिए नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिल गया है।

सरे ने इस हफ्ते नवाज के साथ अनुबंध करने की घोषणा करने का प्लान बनाया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार यह अनुबंध खटाई में चली गई है। नवाज क्लब के साथ नहीं जुड़ेंगे। नवाज पीएसएल सीजन में मुल्तान सुल्तांस के लिए खेले।

वैभव नंबर 1, अभिषेक शर्मा दूसरे पर; सूर्यवंशी के डेब्यू के बाद सबसे ज्यादा आईपीएल छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैभव सूर्यवंशी की किस्मत का पहिया 19 अप्रैल 2025 के बाद से चल पड़ा था। यह तारीख थी 14 वर्षीय बल्लेबाज के आईपीएल डेब्यू की। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में इस खिलाड़ी ने डेब्यू किया था और छक्के से ही शार्दुल ठाकुर के खिलाफ अपना खाता खोला था। 20 गेंद पर 34 रन की पारी में 2 चौके व 3 छक्के लगाकर वैभव ने पूत के पांव पालने में दिखा दिए थे। उसके बाद से 13 आईपीएल मैचों में यह खिलाड़ी 44 छक्के लगा चुका है। इस मामले में उनके डेब्यू के बाद उनसे आगे कोई नहीं है। यानी जबसे वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल डेब्यू किया है उन्होंने ही सर्वाधिक छक्के इस टूर्नामेंट में लगाए हैं। या आम तौर पर कहें तो 19 अप्रैल 2025 (वैभव के डेब्यू की डेट) के बाद से आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के वैभव ने ही लगाए हैं। अब यह खिलाड़ी 15 साल का हो चुका है और आईपीएल 2026 में और परिपक्व और खतरनाक नजर आ रहा है। उन्होंने इस सीजन जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, जोश हेजलवुड, सुनील नरेन जैसे सभी धाकड़ गेंदबाजों की धुनाई की है। अब 32वें मैच में उनका सामना मोहम्मद शमी से होने जा रहा है।

इस शहर में हरियाली के बीच मिलेगा हाई-टेक ऑफिस

दुबई (एजेंसी)। कोरोना काल में 'वर्क फ्रॉम होम' और उसके बाद 'वर्क फ्रॉम होटल' का ट्रेंड तो आपने खूब सुना होगा, लेकिन अपनी चकाचौंध और लग्जरी के लिए मशहूर दुबई अब कामकाजी दुनिया में एक और बड़ा बदलाव लेकर आया है। दुबई ने 'वर्क फ्रॉम पार्क' नाम की एक नई और अनोखी पहल शुरू की है। यह क्रांतिकारी योजना दफ्तर की उबाऊ चारदीवारी और पारंपरिक ढांचे को पूरी तरह से तोड़कर प्रोफेशनल्स को खुले आसमान और हरियाली के बीच काम करने का एक शानदार और हाई-टेक माहौल प्रदान करेगी।

प्रकृति के सुकून के बीच बिना तनाव के होगा दफ्तर का काम

गल्फ न्यूज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इस नई योजना के तहत शहर के खूबसूरत पार्कों में विशेष वर्किंग जोन तैयार किए जा रहे हैं। इन जगहों पर काम करने के लिए तमाम आधुनिक हाई-टेक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। इस पहल का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि कर्मचारी बंद वातानुकूलित कमरों की बजाय ताजी हवा और प्राकृतिक सुकून के बीच अपना लैपटॉप खोलकर काम कर सकेंगे। इससे न केवल उनके काम का तनाव और मानसिक बोझ कम होगा, बल्कि उनकी रचनात्मकता (क्रिएटिविटी) भी बढ़ेगी और शहर के पार्कों में भी दिन भर रौनक छाई रहेगी।

हार्दिक पंड्या के साथ विवाद की खबरों पर क्रुणाल का जवाब, मुकुल चौधरी को स्लेज करने पर भी दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के बीच मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुणाल पंड्या के बीच विवाद की खबरें भी काफी तूल पकड़ रही हैं। हाल ही में मुंबई और आरसीबी के मैच के दौरान भी दोनों को एक दूसरे से बात करते भी नहीं देखा गया था। इन सभी अटकलों पर हार्दिक के बड़े भाई और आरसीबी के स्टार ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या ने जवाब दिया है। साथ ही मुकुल चौधरी को स्लेज करने के आरोप पर भी उन्होंने सफाई दी है।

क्रुणाल पंड्या ने Mr. Nags के साथ बात करते हुए सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके और हार्दिक के बीच सब ठीक है? कोई बड़ी बात नहीं है केन और अंडरटेकर भी आपस में लड़े थे। इस पर क्रुणाल पंड्या जोर से हंसने लगते हैं और Thumbs Up दिखाते हुए कहा कि, सब ठीक है।

दरअसल कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर हार्दिक और क्रुणाल के विवाद की खबरें आईं थीं। लंबे वक्त से दोनों को एकसाथ भी नहीं देखा गया है। इससे पहले हार्दिक का बेटा अगस्त्या भी अक्सर क्रुणाल और पंखुरी के साथ रहता था। लंबे वक्त से दोनों परिवार अलग दिखे हैं। आईपीएल में भी पहले मैच से पूर्व दोनों मिलते थे लेकिन इस बार दोनों के बीच आंखें तक नहीं मिलीं। इन्हीं सब बातों के बाद विवाद की अटकलें थीं जिस पर अब क्रुणाल ने साफ जवाब दिया है कि, सब ठीक है।

क्रुणाल पंड्या ने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के दौरान मुकुल चौधरी को कुछ कहा था, इसके बाद उनके ऊपर युवा खिलाड़ी को स्लेज करने के आरोप भी लगे थे। इस पर क्रुणाल ने कहा, 'लोग इस पर काफी कुछ कहे रहे हैं कि वह युवा है और उसे मैंने स्लेज किया। वह स्लेज नहीं था, जब वह पैडल स्वीप खेल रहा था तब मैंने कहा तुम लॉन्ग ऑन, लॉन्ग ऑफ पर हर जगह सिक्स लगा रहे हो, उधर मारो मुझे कहां पैडल खेल रहे हो। यह बस जोक था कोई स्लेज वगैरह नहीं था। मेरी उस हेयरस्टाइल और लुक के साथ लोगों को मैं गुस्से में लगता हूं पर ऐसा नहीं है।'

'अगली सीरीज में उसे खिलाओ': जिसकी कप्तानी में सचिन तेंदुलकर ने किया था डेब्यू, अब उसने ही की वैभव सूर्यवंशी को टीम इंडिया में लाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट जगत में इन दिनों आईपीएल 2026 की जहां भी चर्चा है वहां चर्चा का केंद्र बिंदु सिर्फ एक ही खिलाड़ी हैं 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी। इस युवा बल्लेबाज ने जिस तरह पिछले एक साल और इस सीजन में बल्लेबाजी की है, हर कोई उन्हें टीम इंडिया में लाने की मांग कर रहा है। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चयनकर्ता कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने भी उन्हें जल्द ही टीम इंडिया में लाने की मांग की है। उन्होंने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर के लिए खास मैसेज भी दिया है।

अयाज मेमन के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए पूर्व भारतीय ओपनर और 1983 के विश्व विजेता खिलाड़ी श्रीकांत ने वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने साफतौर पर कहा कि जल्द से जल्द वैभव सूर्यवंशी को टीम में लाया जाए। उन्होंने अपने 1989 के बतौर कप्तान उस टूर की भी याद दिलाई, जिसमें 16 साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर ने डेब्यू किया था। उन्होंने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को खास सलाह भी दे डाली। हाल ही में इस पर इंडियन एक्सप्रेस की जानकारी भी सामने आई थी कि आयरलैंड दौरे पर वैभव चुने जा सकते हैं। अयाज मेमन के साथ पॉडकास्ट में श्रीकांत ने वैभव की तारीफ करते हुए कहा,'यह लड़का सूर्यवंशी (वैभव), अगर पुराने समय में किसी ने भी ऐसे शॉट खेले होते तो उसे टीम से ड्रॉप कर दिया जाता। यह लड़का बेहतरीन खेलता है और मैं सेलेक्टर्स से यह कहूंगा कि डियर अजीत, fast track him da (जल्दी से जल्दी उसकी सेलेक्शन की जाए)। अगली सीरीज में उसे खिलाओ। मैं पिछले साल से यह कहे रहा। उसे टी20 वर्ल्ड कप में चुनना चाहिए था। आप उसे 15 में रखते, प्लेइंग 11 में नहीं लेकिन 15 में लाओ उसे।'

श्रीकांत ने आगे कहा,'मुझे यह लगता है सूर्यवंशी, उसे तुरंत फास्ट ट्रैक करना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं और इस पर कोई सवाल नहीं उठता कि उसे टाइम दिया जाए। वह लड़का आपके लिए मैच जीत सकता। बुमराह की पहली गेंद पर छक्का लगाया, जोश हेजलवुड को हिट किया, वह बिना चिंता के किसी को भी मारता है। मुझे याद आता है कि 1989 में जिस टूर पर मैं कैप्टन था उसमें 16 साल का एक प्रतिभाशाली लड़का आया था जो आज गॉड ऑफ क्रिकेट है, ऐसे ही वह (वैभव) डेमी गॉड ऑफ क्रिकेट बन सकता है।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को हराया, सीरीज में 1-1 की हुई बराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने दूसरे वनडे मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 6 विकेट से हराते हुए सीरीज में फिलहाल 1-1 से बराबरी की। ढाका में हुए मैच में मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने निराश किया और पूरी पारी 198 रन पर सिमट गई। जवाब में बांग्लादेशी टीम ने तंजीद हसन तमीम (76) और नजमुल हुसैन शांतो (50) की पारियों की बदौलत लक्ष्य हासिल किया।

न्यूजीलैंड ने 52 रन तक अपने 3 विकेट खो दिए। लगातार गिर रहे विकेटों के बीच निक केली ने 83 रन की पारी खेली। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा की घातक गेंदबाजी (5/32) के चलते कीवी टीम 48.4 ओवर में सिमट गई। जवाब में बांग्लादेश ने 21 रन तक 2 विकेट खो दिए। संकट की घड़ी में मेजबान टीम से तंजीद हसन तमीम (76) और नजमुल हुसैन शांतो (50) ने उम्दा पारियां खेलते हुए जीत दिलाई।दाएं हाथ के तेज गेंदबाज नाहिद ने लगातार 2 ओवरों में हेनरी निकोल्स (13) और विल यंग (2) को आउट किया।

भारत में मजबूरी तो अमेरिका में मजे की नौकरी है डिलीवरी का काम, हर महीने आसानी से हो रही 6 लाख रुपए की कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में डिलीवरी ब्वॉय के काम को अक्सर एक बेहतर करियर विकल्प के तौर पर नहीं देखा जाता है और इसमें कड़ी मेहनत के बाद भी औसतन 25-30 हजार रुपये महीने की ही कमाई हो पाती है। लेकिन, अमेरिका जैसे विकसित देश में यह काम मजबूरी नहीं बल्कि एक मजे की नौकरी माना जाता है। वहां यह काम इतना सुविधाजनक और फायदेमंद है कि बड़ी संख्या में महिलाएं भी इसे शौक से कर रही हैं। अमेरिका में डिलीवरी का काम एक बेहतरीन पार्ट टाइम जॉब के रूप में उभरा है, जहां लोग दिन के कुछ ही घंटे काम करके लाखों रुपये की शानदार कमाई कर रहे हैं।

अगर यह कहा जाए कि अमेरिका में डिलीवरी का काम करके कोई महीने में 5 से 6 लाख रुपये आसानी से कमा सकता है, तो भारतीय परिप्रेक्ष्य में यह काफी हैरानी भरा लगता है। वहां लोग अपनी सहूलियत के हिसाब से काम करते हैं। कुछ लोग इसे फुल-टाइम यानी करीब 8 घंटे करते हैं, जबकि ज्यादातर लोग केवल 4 घंटे देकर ही अपनी जरूरत भर के पैसे जुटा लेते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, वहां एक डिलीवरी पर्सन औसतन 20 से 25 डॉलर प्रति घंटा कमा लेता है। 4 घंटे के काम में ही लोग करीब 9000 रुपये (100 डॉलर) तक कमा लेते हैं। वहीं, फुल टाइम काम करने वाले रोजाना 200-220 डॉलर यानी करीब 20 हजार रुपये आसानी से बना लेते हैं, जिससे उनकी मासिक आय 5 से 6 लाख रुपये तक पहुंच जाती है।

अमेरिका में डिलीवरी करने वाले लोग अपनी कमाई बढ़ाने के लिए मल्टी-ऐप तकनीक का बड़ा ही स्मार्ट तरीके से इस्तेमाल करते हैं। वे एक ही समय में 'उबर ईट्स' और 'डोरडैश' जैसे कई ऐप चालू रखते हैं और उसी ऑर्डर को स्वीकार करते हैं जिसमें कम दूरी तय करनी हो और पैसे ज्यादा मिल रहे हों। इससे उनके खाली बैठने का समय कम हो जाता है। इसके अलावा, न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे महंगे और व्यस्त शहरों में प्राइम लोकेशन और पीक आवर्स के दौरान ऑर्डर्स की संख्या काफी ज्यादा होती है। लंच, डिनर (रश आवर्स) या वीकेंड के समय काम करने से उन्हें कंपनियों की तरफ से 'सर्ज प्राइजिंग' और अच्छा बोनस मिलता है, जिससे उनकी कमाई में भारी उछाल आ जाता है।

अमेरिका में लोगों के बीच सर्विस के बदले टिप देने का एक मजबूत कल्चर है, जो इन डिलीवरी ड्राइवर्स की कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा साबित होता है। कई बार तो इन लोगों को डिलीवरी फीस से कहीं ज्यादा पैसे सिर्फ टिप के जरिए ही मिल जाते हैं। छोटे शहरों में जहां 10 से 15 डॉलर तक की टिप मिलना एक आम बात है, वहीं बड़े और महंगे शहरों में ग्राहकों की तरफ से 30 डॉलर तक की टिप भी आसानी से दे दी जाती है। अच्छे इलाके, पीक आवर्स, बोनस और भारी-भरकम टिप को मिला दिया जाए तो यहां डिलीवरी ड्राइवर्स 30 डॉलर प्रति घंटा या उससे भी ज्यादा की कमाई कर लेते हैं।

बिना किसी गारंटी के सरकार दे रही 20 लाख तक का मुद्रा लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अगर आप अपना खुद का छोटा कारोबार शुरू करने या पुराने बिजनेस को रफ्तार देने का सपना देख रहे हैं, तो केंद्र सरकार आपके लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आई है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत अब छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और स्वरोजगार करने वालों को बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का लोन मिल सकता है। इस शानदार योजना का मुख्य उद्देश्य देश में उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूंजी की कमी से जूझ रहे लोगों को आसान शर्तों पर फाइनेंस उपलब्ध कराना है।

मुद्रा लोन योजना मुख्य रूप से गैर-कॉर्पोरेट और छोटे व्यवसायों की आर्थिक मदद के लिए तैयार की गई है। इसके तहत देश के विभिन्न बैंक, माइक्रोफाइनेंस संस्थान और एनबीएफसी आसानी से कर्ज मुहैया कराते हैं। इस योजना को शिशु, किशोर और तरुण नाम की तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है। समय के साथ कारोबारियों की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अब सरकार ने लोन की अधिकतम सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी है, ताकि बड़े पैमाने पर लोगों को इसका सीधा फायदा मिल सके और वे अपने व्यवसाय को नया मुकाम दे सकें। इस सरकारी योजना की सबसे बड़ी और अहम खासियत यह है कि इसमें आवेदक को बैंक के पास कोई संपत्ति गिरवी (कोलैटरल) रखने या गारंटी देने की आवश्यकता नहीं होती है। सरकार खुद क्रेडिट गारंटी सपोर्ट देती है, जिसके चलते बैंक आसानी से लोन पास कर देते हैं। इस लोन के लिए आवेदन करते समय कुछ बुनियादी दस्तावेजों की जरूरत होती है। इनमें आपकी पहचान का प्रमाण (आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी), पते का पुख्ता प्रमाण (बिजली बिल या राशन कार्ड), आपके बिजनेस का पूरा प्लान, पिछले 6 से 12 महीने का बैंक स्टेटमेंट और पासपोर्ट साइज फोटो शामिल हैं। हालांकि, बैंक लोन मंजूर करने से पहले आवेदक का प्रोफाइल और उसकी पुरानी क्रेडिट हिस्ट्री (सिबिल स्कोर) जरूर परखते हैं। छोटे दुकानदार, कारीगर, महिला उद्यमी और स्टार्टअप चलाने वाले लोग इस योजना का भरपूर लाभ उठा सकते हैं। इस लोन पर ब्याज दरें विभिन्न बैंकों के नियमों के अनुसार तय होती हैं, जो आमतौर पर 8 प्रतिशत से 12 प्रतिशत के बीच रहती हैं।

संपादकीय

आम सहमति की परवाह नहीं

अब नियम तय करने के मामले में भी मजबूत देश आम सहमति की परवाह नहीं कर रहे हैं। जो सहमत नहीं हैं, उनको छोड़कर आगे बढ़ने का नजरिया उन्होंने अपनाया है। डब्लूटीओ के ढांचे और उसकी भावना पर यह घातक प्रहार है। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में सीमा पार डिजिटल ट्रांसमिशन पर टैक्स लगाने पर रोक को जारी रखने के लिए अमेरिका ने अपना पूरा दम लगाया। लेकिन कुछ देशों के विरोध के कारण वह सफल नहीं हुआ। तो अब उसने एलान किया है कि वह उससे सहमत देशों के साथ अलग से समझौता करेगा। ऐसे करार में शामिल होने के लिए उसने अपने व्यापार सहयोगी देशों से आगे आने को कहा है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर ने कहा- 'सामान्य समझ से प्रेरित इस समझौते पर डब्लूटीओ सहमत नहीं हो सकता, तो अमेरिका उसके बाहर उन देशों के साथ ऐसा करार करेगा, जिनकी इसमें दिलचस्पी है।' अमेरिका के मन-माफिक समझौते को मोटे तौर पर ब्राजील और तुर्किये ने रोका। उधर भारत ने चीन की 'विकास के लिए निवेश सुविधा करार' (आईएफडी) संपन्न करने की कोशिश नाकाम कर दी। पिछले हफ्ते हुई 14वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में 166 में से 129 देशों ने चीन के प्रस्ताव का समर्थन किया। अब संकेत हैं कि चीन उन देशों के साथ लेकर इस समझौते पर आगे बढ़ेगा।

ये दोनों घटनाएं डब्लूटीओ की लगातार बढ़ रही अप्रासंगिकता को जाहिर करती हैं। डब्लूटीओ की स्थापना के पीछे सोच अधिकतम सहमति से विश्व व्यापार के नियमों को तय करना और तय नियमों पर सख्ती से अमल की गारंटी करना थी। समझौतों पर अमल सुनिश्चित कराने के लिए डब्लूटीओ के अंदर अपनी न्यायिक प्रणाली बनाई गई। मगर डॉनल्ड ट्रंप ने बतौर राष्ट्रपति अपने पहले कार्यकाल में डब्लूटीओ में न्यायाधीशों की नियुक्ति रोक कर अदालती प्रक्रिया को ठप करने की शुरुआत कर दी। उनके बाद आया जो बाइडेन प्रशासन भी उसी रास्ते पर आगे बढ़ा। जजों के अभाव में डब्लूटीओ का यह अंग फिलहाल लकवाग्रस्त पड़ा हुआ है। इसी कारण विभिन्न देश द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का सहारा लेने पर मजबूर हुए हैं।

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है। इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है। अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है। बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

बस्तर के लिए खुले वैश्विक द्वार, चार घंटे में पूरा होगा समंदर तक का सफर

बस्तर की प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) एक क्रांतिकारी कदम साबित होने जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत बन रहा यह 6-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर न केवल दूरियों को कम करेगा, बल्कि बस्तर के स्थानीय उत्पादों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच प्रदान कर लैंड-लॉक्ड क्षेत्र की बाधाओं को समाप्त करेगा।

वर्तमान में जगदलपुर से विशाखापट्टनम की यात्रा ओडिशा के कोरापुट और जयपुर के कठिन घाटों से होकर गुजरती है, जिसमें 7 से 9 घंटे का समय लगता है। भारी वाहनों के लिए यह मार्ग न केवल थकाऊ है, बल्कि डीजल की खपत और मेंटेनेंस के लिहाज से भी खर्चीला है। नया कॉरिडोर इस यात्रा को मात्र 3.5 से 4 घंटे में समेट देगा। सीधा और घाट-मुक्त रास्ता होने के कारण वाहनों का परिचालन खर्च काफी कम हो जाएगा, जिससे परिवहन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी।

रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) छत्तीसगढ़ के रायपुर, धमतरी, कांकेर और कोंडागांव जिलों से गुजर रहा है। जगदलपुर मुख्यालय को इस कॉरिडोर से जोड़ने के लिए ओडिशा के नबरंगपुर का दासपुर इंटरचेंज महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। जगदलपुर का ट्रैफिक मात्र 50-60 किमी का सफर तय कर नबरंगपुर इंटरचेंज के माध्यम से रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोर में शामिल हो सकेगा, जिससे बस्तर सीधे विशाखापट्टनम पोर्ट और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक नेटवर्क से जुड़ जाएगा।

इस कॉरिडोर का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव बस्तर की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अब बस्तर की अरेबिका कॉफी, जैविक इमली, महुआ उत्पाद और प्रसिद्ध ढोकरा शिल्प को विशाखापट्टनम पोर्ट तक पहुँचाना सुगम होगा। कम लॉजिस्टिक लागत के कारण ये उत्पाद वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध होंगे, जिससे स्थानीय किसानों, संग्रहकर्ताओं और शिल्पकारों को उनकी उपज का बेहतर अंतरराष्ट्रीय मूल्य मिल सकेगा।

बस्तर, कांकेर और कोंडागांव जैसे आकांक्षी जिलों को इस परियोजना से सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं इन सुदूर क्षेत्रों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। इस राजमार्ग के माध्यम से बस्तर का कृषि उत्पाद और इस्पात सीधे रायपुर, दुर्ग-भिलाई और विशाखापट्टनम जैसे औद्योगिक केंद्रों से जुड़ जाएगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, रियल एस्टेट और सर्विस सेक्टर में हजारों नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह कॉरिडोर बस्तर में औद्योगिक विकास की एक नई लहर लाने के लिए तैयार है।

बस्तर क्षेत्र लौह अयस्क और अन्य खनिजों से समृद्ध है। यह कॉरिडोर इन खनिजों को विशाखापत्तनम पोर्ट तक तेजी से पहुंचाने में मदद करेगा, जिससे निर्यात और व्यापार में भारी उछाल आएगा। कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टर विकसित होने की संभावना है, जिससे स्थानीय स्तर पर विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

कनेक्टिविटी में सुधार होने से अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आमद बढ़ेगी। विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा, दंतेश्वरी मंदिर, ढोलकल गणेश, कुतुमसर गुफा और चित्रकोट-तीरथगढ़ जैसे जलप्रपातों तक पहुंच आसान होगी। इससे न केवल पर्यटन राजस्व बढ़ेगा, बल्कि आदिम संस्कृति और लोक कलाओं को भी वैश्विक मंच पर नई पहचान मिलेगी।

कांकेर जिले के बासनवाही के मंझिनगढ़ पहाड़ी (केशकाल) को चीरकर 2.79 किमी लंबी छत्तीसगढ़ की पहली ट्विन-ट्यूब टनल बनाई जा रही है। यह टनल उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको-सेंसिटिव जोन से गुजरती है, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि वन्यजीवों का आवागमन बाधित न हो। साथ ही पूरे राजमार्ग में मंकी कैनोपी, एनिमल अंडरपास और ओवरपास बनाए जा रहे हैं ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे। रायपुर-विशाखापत्तनम इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-130 सीडी) बस्तर संभाग और पूरे छत्तीसगढ़ के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली एक महत्वाकांक्षी परियोजना है।

वैश्विक औसत से बहुत दूर है सत्ता में महिलाओं की भागीदारी

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का बिल गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी और विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हांलाकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामलें में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विष्लेषण करे तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 महिला राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल 8 देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनावों में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला।

एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहे या महिलाओं को आगे लाने की कितनी भी बात करें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक महिलाओं की बढ़ नहीं पाई है। महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है।

रौचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हांलाकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थी। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही।

जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्य सभा में टीएमसी दल की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य है। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य है। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य है। खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा।

क्यों अचानक ईरान के इशारों पर नाचने लगे ट्रंप?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध विराम यानी सीज फायर को बढ़ाने का ऐलान किया है। इससे पहले सीज फायर की जो समय सीमा दी गई थी वो 22 अप्रैल को खत्म हो रही थी। उससे पहले ट्रंप ने सीज फायर बढ़ाने की जानकारी सार्वजनिक कर दी। एकदम वैसे जैसे फोन का टॉक टाइम खत्म होने से पहले ठीक पहले रिचार्ज करा लिया जाता है। यह टैक्टिकल सीज फायर एक्सटेंशन ट्रंप ने किसके कहने पर किया है यह भी बताते हैं। भारत के पड़ोस में एक देश है पाकिस्तान जिसे आतंकवाद का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर माना जाता है। फिल वक्त वही पाकिस्तान पीस मैसेंजर ऑफ द ईयर बना हुआ है। ट्रंप का कहना है कि इसी पाकिस्तान के आर्मी चीफ वसीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध पर उन्होंने सीजफायर आगे बढ़ाने का फैसला किया है। लेकिन क्या सच में ऐसा है या फिर ईरान ने अपनी शर्तों पर ट्रंप को यू टर्न लेने पर मजबूर कर दिया है। आज हम पूरे मामले का एमआरआई स्कैन करेंगे। ट्रुथ सोशल पर जारी बयान में ट्रंप ने कहा है कि ईरान की सरकार बुरी तरह बिखरी हुई है। यह कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कहने पर हमने ईरान पर हमला फिलहाल टाल दिया है। जब तक ईरान के नेता एकमख होकर कोई ठोस प्रस्ताव नहीं लाते तब तक हमारा ब्लॉकेट जारी रहेगा। सेना पूरी तरह तैयार है। हम सीज फायर को आगे बढ़ा रहे हैं। सीज फायर को बढ़ा रहे हैं। यानी सीज फायर बढ़ाने के बावजूद ट्रंप ने ईरान पर दबाव कम नहीं किया है। उन्होंने अमेरिकी सेना को साफ आदेश दिए हैं कि ईरान के खिलाफ चल रही नाकेबंदी को जारी रखा जाए। लेकिन यहां पर एक बात गौर करने वाली सामने आती है जो ट्रंप पहले मैक्सिमम प्रेशर की नीति चला रहे थे। हालांकि ट्रंप के इस नए दांव को शांति की पहल तो बिल्कुल भी नहीं कहा जा सकता। देखिए सीज फायर बढ़ाया है लेकिन ब्लॉकेट जारी है। मतलब ईरान पर आर्थिक दबाव और सैन्य तैयारियां दोनों बरकरार हैं। शांति की असली पहल में दोनों तरफ से कुछ रियायतें दी जाती हैं। यहां सिर्फ हमला टाला गया है। ट्रंप ने अपने बयान में ईरान की सरकार को सीरियसली फ्रैक्चरर्ड यानी गंभीर रूप से विभाजित या बिखरी हुई भी बताया है। जानकार इसे रणनीतिक दबाव का हिस्सा बता रहे हैं।

दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि अमेरिका और ईरान ने संकेत दिया है कि वे बातचीत का एक नया दौर आयोजित करेंगे। पाकिस्तान के नेतृत्व वाले मध्यस्थों को इस बात की पुष्टि मिली कि शीर्ष वार्ताकार - वैंस और ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर ग़ालिबफ़ अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व करेंगे। लेकिन देर रात, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत में शामिल होने के बारे में कोई अंतिम निर्णय 'नहीं लिया गया है। प्रवक्ता इस्माइल बघाएई ने सरकारी टीवी को बताया कि निर्णय न ले पाने का कारण अमेरिकियों की ओर से मिले विरोधाभासी संदेश और अस्वीकार्य कार्य थे, विशेष रूप से ईरान की अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी। इस बीच, वैंस ने पाकिस्तान की अपनी यात्रा रद्द कर दी, जबकि पाकिस्तानी नेता बातचीत को बचाने की कोशिश में तेज़ी से जुट गए। 0000 GMT की समय सीमा नज़दीक आते ही, ट्रंप ने घोषणा की कि संघर्ष विराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ा दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह कदम पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया है और इस मामले में किसी निर्णय पर न पहुँच पाने के लिए उन्होंने ईरान के गंभीर रूप से बिखरे हुए नेतृत्व को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने उनसे तब तक इंतज़ार करने को कहा था, जब तक कि ईरान के नेता 'कोई एकमत प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते।' फिर भी, उन्होंने कहा कि अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी। भले ही पाकिस्तान किसी बैठक का इंतज़ाम कर ले, फिर भी स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ के भविष्य, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और नाकेबंदी को लेकर गंभीर चुनौतियाँ बनी हुई हैं। इस सप्ताहांत ईरान ने स्ट्रेट में जहाज़ों को निशाना बनाया। अमेरिका ने भी एक ईरानी जहाज़ पर हमला किया और उस पर कब्ज़ा कर लिया, जिसने स्ट्रेट में अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी से बचकर निकलने की कोशिश की थी - जिससे यह संकेत मिलता है कि स्थिति अभी भी अस्थिर बनी हुई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास रांची ने भी नौसैनिक घेराबंदी को एक्ट ऑफ वॉर करार दिया है। यानी ट्रंप अपनी डील मेकर इमेज बचाने की कोशिश में लगे हैं। नया नवेला शांतिदूत पाकिस्तान दुनिया के नक्शे में अपनी अहमियत बढ़ा रहा है और ईरान है कि हार मानने को तैयार नहीं है। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को जंग शुरू की थी। छह हफ्ते तक चली इस लड़ाई ने तेल की कीमतें बढ़ा दीं और पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया। ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मौजूदा युद्धविराम (शांति समझौता) 8 अप्रैल को लागू हुआ था। इससे पहले ट्रंप ने कई बार डेडलाइन (अल्टीमेटम) दी थी और एक बार तो उन्होंने ईरान की 'सभ्यता' को ही खत्म करने की धमकी दे डाली थी। पिछले शुक्रवार को इस्राइल और लेबनान में ईरान के समर्थन वाले लड़ाकू गुट 'हिजबुल्लाह' के बीच भी युद्धविराम लागू हो गया। मोटे तौर पर देखा जाए तो अभी तक ये दोनों ही समझौते टिके हुए हैं। इससे पहले, 11 अप्रैल को पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत का एक दौर चला था, जो अगले दिन सुबह-सुबह तक चला।

1979 की इस्लामी क्रांति के बाद अमेरिका और ईरान के बीच यह सबसे बड़े लेवल की बातचीत थी। इसमें जेडी वेंस ने हिस्सा लिया था, लेकिन यह बातचीत बिना किसी समझौते या नतीजे के ही खत्म हो गई थी। इस वीकेंड से ही इस्लामाबाद के अधिकारियों ने वैसी ही तैयारियां फिर से शुरू कर दी हैं, जैसी पहली बातचीत के समय की गई थीं। इससे यह इशारा मिलता है कि जल्द ही दोनों देशों के बीच बातचीत का एक और दौर होने वाला है।

अमेरिका और इज़राइल ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया, जो छह हफ़्ते तक चला। इस युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ गईं और वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई। ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच मौजूदा संघर्ष-विराम 8 अप्रैल को शुरू हुआ। इससे पहले ट्रंप ने कई समय-सीमाएं तय की थीं, जिनसे एक समय तो ईरान की 'सभ्यता' पर ही खतरा मंडराने लगा था। पिछले शुक्रवार को, इज़राइल और लेबनान में मौजूद ईरान-समर्थित हिज़्बुल्लाह आतंकवादी समूह के बीच भी एक संघर्ष-विराम लागू हुआ। ये दोनों संघर्ष-विराम मोटे तौर पर कायम रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत का एक पिछला दौर पाकिस्तान में 11 अप्रैल से शुरू होकर अगले दिन तड़के तक चला। वेंस ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच हुई अब तक की सबसे उच्च-स्तरीय बातचीत में हिस्सा लिया, जो बिना किसी समझौते के ही खत्म हो गई। इस सप्ताहांत से इस्लामाबाद के अधिकारियों ने वैसी ही तैयारियां की हैं जैसी पहले दौर की बातचीत के दौरान की गई थीं। इससे यह संकेत मिलता है कि बातचीत का एक और दौर जल्द ही शुरू होने वाला है।

होरमुज़ जलडमरूमध्य, जो फ़ारसी खाड़ी का एक संकरा मुहाना है और जिससे दुनिया की 20% प्राकृतिक गैस और तेल गुज़रता है, जलमार्ग में ईरानी हमलों के कारण लगभग बंद पड़ा है। इसमें शनिवार को हुए कुछ हमले भी शामिल हैं। इस बात का भी डर है कि ईरान ने जलडमरूमध्य के उस हिस्से में बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं, जिसका इस्तेमाल शांति काल में जहाज़ों के गुज़रने के लिए किया जाता था। युद्ध शुरू होने के बाद से, ख़बरों के मुताबिक, ईरान जहाज़ों को वहाँ से गुज़रने की अनुमति देने के बदले प्रति जहाज़ 20 लाख डॉलर तक की रक़म वसूल रहा है। जलडमरूमध्य को फिर से खोलना बातचीत का एक अहम मुद्दा बना हुआ है और वॉशिंगटन के ख़िलाफ़ तेहरान का सबसे मज़बूत दाँव है; ख़ास तौर पर ऐसे समय में, जब दुनिया भर के देशों ने ऊर्जा की राशनिंग शुरू कर दी है और जेट ईंधन की कमी की चेतावनी दे रहे हैं। इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों से आने वाले जहाज़ों को रोकना शुरू कर दिया है। अमेरिकी नौसेना ने इस सप्ताहांत एक ईरानी कंटेनर जहाज़ पर हमला किया, जिसने अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की थी; इस दौरान अमेरिकी मरीन हेलीकॉप्टरों से रस्सी के सहारे उस जहाज़ पर उतरे थे। ईरान ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे 'समुद्री डकैती' और अंतरराष्ट्रीय क़ानून का उल्लंघन बताया है।

अफवाहों पर ध्यान देना अपने करियर के लिए सही नहीं है: पलक तिवारी

पलक का कहना है कि करियर के इस स्टेज पर वह नहीं चाहतीं कि उनकी रोमांटिक लाइफ या अफेयर सुर्खियों में आए. उनका फोकस फिलहाल पूरी तरह अपने काम और पहचान बनाने पर है. अभिनेत्री ने कहा कि जब इंसान बहुत मेहनत करता है तो वह नहीं चाहता कि उसकी पहचान सिर्फ उसकी लव लाइफ तक सीमित रह जाए. यही वजह है कि वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा सतर्क रहती हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी एक बार फिर से चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं, बल्कि उनकी सीक्रेट लव लाइफ है. एक्ट्रेस का नाम इब्राहिम अली खान के साथ जुड़ने के बाद फैंस लगातार उनके रिश्ते को लेकर सवाल उठाते नजर आते हैं, लेकिन दोनों ही इस पर चुप्पी साधे रहते हैं. हालांकि, अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया है, कि आखिर क्यों वह अपनी लव लाइफ पर बात करना पसंद नहीं करती हैं? तो चलिए, जानते हैं वो वजह कौन सी है.हाल ही में पलक ने अपनी फिल्म भूतनी के प्रमोशन्स के दौरान एक इंटरव्यू में अपनी लव लाइफ के बारे में खुलकर बात की, लेकिन इस बातचीत में भी उन्होंने अपने रिश्तों को लेकर काफी सोच-समझकर जवाब दिए.पलक का कहना है कि करियर के इस स्टेज पर वह नहीं चाहतीं कि उनकी रोमांटिक लाइफ या अफेयर सुर्खियों में आए. उनका फोकस फिलहाल पूरी तरह अपने काम और पहचान बनाने पर है. अभिनेत्री ने कहा कि जब इंसान बहुत मेहनत करता है तो वह नहीं चाहता कि उसकी पहचान सिर्फ उसकी लव लाइफ तक सीमित रह जाए. यही वजह है कि वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा सतर्क रहती हैं.पलक तिवारी ने यह भी बताया कि वह चाहती हैं कि जो चीजें उनके दिल के बेहद करीब हैं, जैसे रिश्ते, उन पर कोई बाहरी राय न बनाए. इसी सोच के चलते वह अपनी लव लाइफ को प्राइवेट रखती हैं.इब्राहिम अली खान के साथ लिंकअप की खबरों पर भी पलक ने साफ इशारा किया कि अफवाहों पर ध्यान देना उनके करियर के लिए सही नहीं है. वह अपनी मेहनत से अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हैं.फैंस के बीच पलक और इब्राहिम की जोड़ी को लेकर जितनी भी बातें हों, पलक फिलहाल खुद को सिर्फ अपने प्रोफेशनल गोल्स पर फोकस करना चाहती हैं. उनके लिए यह समय बेहद अहम है.पलक तिवारी का यह रुख साबित करता है कि आज की यंग जनरेशन किस तरह अपने करियर और पर्सनल लाइफ के बीच सही बैलेंस बनाना जानती है. उनके फैसले ने कई लोगों को इंस्पायर भी किया है।

प्रेग्नेंसी में सामने आई दोस्तों की असलियत: रुबीना

रुबीना दिलैक को ऐसे ही बॉस लेडी नहीं कहा जाता। वह हर बात को बहुत बेबाकी के साथ बिना किसी डर के लोगों के सामने रख देती हैं। अब हाल ही में उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी के दौर को याद करते हुए रिश्तों और दोस्ती को लेकर कुछ ऐसी बातें शेयर की है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। रुबीना ने बताया कि मुश्किल समय में कौन उनके साथ खड़ा था और किस तरह से यह अनुभव उनकी जिंदगी में रिश्तों की पहचान लेकर आया। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि वह उन लोगों को अपनी जिंदगी से बाहर कर चुकी हैं जो मुश्किल समय में उनके साथ खड़े नहीं हुए.हाल ही में रुबीना को अपने पॉडकास्ट में जन्नत जुबेर के साथ बात करते हुए देखा गया। इस दौरान वह कुछ नाजुक पलों को याद करती हुई नजर आईं। एक्ट्रेस ने बताया कि प्रेग्नेंसी के समय में उनके कई करीब दोस्त उनके साथ नहीं थे। एक्ट्रेस ने कहा जब मैं प्रेग्नेंट थी तब तुम मुझसे मिलने आई थी, जब मेरी बेटियां हुई तब भी तुम आईं थी जन्नत, मैं सच कहूं तो वह मेरे लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव था। मैंने अपने उन दोस्तों से दूरी बना ली है जो कहते थे कि वह मेरे दोस्त हैं। वह पार्टी में होते थे अच्छे दिनों में होते थे, कभी-कभी बुरे दिनों में भी लेकिन सबसे मुश्किल समय में मेरे साथ नहीं थे। जिस समय मैं प्रेग्नेंट थी तो वह मेरे पास नहीं आए। मैंने उन्हें बिना कुछ कहे जिंदगी से दूर कर दिया क्योंकि मेरे हिसाब से दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। रुबीना ने कहा कि दोस्ती एक अनकहा रिश्ता होता है, यह जरूरी नहीं कि हम हमेशा साथ में ट्रिप पर जाएं, पार्टी करें या अच्छा समय बिताएं।

विवादों के बीच इन हसीनाओं को खुलेआम मिली रेप की धमकी

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के कलाकार ग्लैमर से भरी दुनिया में रहते हैं, लेकिन ये स्टार्स विवादों में भी पड़ जाते हैं. खास कर इस इंडस्ट्री की हसीनाएं एक्ट्रेसेस को लेकर कई बार देखा गया है कि इनसे जुड़े विवाद बढ़ते ही लोगों के भद्दे कमेंट्स भी शुरू हो जाते हैं. कई हसीनाओं ने लोगों के भद्दे कमेंट्स झेले हैं. कई बार तो एक्ट्रेसेस को रेप की धमकी तक मिली है. हाल में अपूर्वा मखीजा को लोगों ने सोशल मीडिया पर रेप की धमकी दी है. उन्होंने लोगों के घटिया कमेंट्स के स्क्रीनशॉर्ट सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं. आइए आपको बताते हैं कि अपूर्वा मखीजा के अलावा किस किस हसीना को रेप की धमकी मिली है.

दीपिका पादुकोण कई बार लोगों का गुस्सा झेल चुकी हैं. फिल्म पद्मावत, राजीराव मस्तानी और पठान की रिलीज से पहले दीपिका को लेकर काफी विवाद हुआ था. एक्ट्रेस को कई बार लोगों ने रेप की धमकी दी है.कंगना रनौत अपने बेबाक अंदाज के लिए पॉपुलर हैं. एक्ट्रेस राजनीतिक मुद्दों पर बोलने से डरती नहीं हैं. किसान मुद्दे के दौरान कंगना रनौत को कई बार रेप की धमकी मिली थी. उन्होंने कुछ ऐसे बयान दिए थे, जो लोगों को पसंद नहीं आए थे.

मिमी चक्रवर्ती ने कोलकाता डॉक्टर रेप केस पर एक पोस्ट किया था, जिसे देखकर लोग भड़क गए थे. एक्ट्रेस का ये इतना सुर्खियों में रहा कि भड़के लोगों ने उन्हें रेप की धमकी दे दी थी.परोमिता डे को कोरोना वाइरस आउटब्रेक के दौरान रेप की धमकियां मिली थी. सोशल मीडिया पर मिल रही धमकियों की वजह से परोमिता इतनी परेशान हो गई थीं कि उन्हें सामने आकर बोलना पड़ गया था.सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती को लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा था. रिया पर कई बड़े आरोप लगे थे. ऐसे में सुशांत के फैंस ने रिया को खूब खरी खोटी सुनाई. इतना ही नहीं, उन्हें कुछ लोगों ने रेप तक की धमकी दे दी थी.उर्फी जावेद अपने फैशन सेंस की वजह से लोगों के गुस्से का शिकार होती रहती हैं. एक्ट्रेस ने खुद एक बार बताया था कि उन्हें सिक्योरिटी की जरूरत है. उन्हें रेप की धमकियां मिल रही हैं.जैस्मिन भसीन टीवी की खूबसूरत हसीनाओं में से एक हैं. जैस्मिन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि रेप की धमकियों की वजह से वह एक बार डिप्रेशन में भी चली गई थीं.अपूर्वा मखीजा ने %इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद की वजह से काफी ट्रोल हो चुकी हैं. अब उन्होंने विवाद के दो महीने के बाद एक पोस्ट किया, जिसमें अपूर्वा ने लोगों के भद्दे कमेंट्स दिखाए. लोग अपूर्वा को रेप की धमकी दे रहे हैं।

ऐली बनकर कृति सेनन ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

‘कॉकटेल 2’ लुक देख फैंस रह गए हक्के-बक्के

कृति सेनन इन दिनों अपनी अगली फिल्म %कॉकटेल 2% की रिलीज़ का इंतज़ार कर रही हैं. इस फिल्म में उनके साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना अहम रोल में नज़र आने वाले हैं. कृता ने बताया है कि इस फिल्म में वो जो रोल निभा रही हैं, वैसा बोल्ड और बिंदास किरदार पहले कभी नहीं निभाया था. कृति सेनन ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर की. ये तस्वीरें उनकी फिल्म %कॉकटेल 2% के दौरान की हैं. फिल्म के गाने %जब तलक% में कृति सेनन ने इसी आउटफिट में जमकर डांस किया है. उनके इस ग्लैमरस अवतार को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं. कृति ने अपनी तस्वीरों को शेयर करते हुए इंस्टाग्राम के कैप्शन में लिखा, ब्रॉन्ड बेबी को कॉकटेल्स की जरूरत है..2 प्लीज़. साथ ही उन्होंने हैशटैग एली लिखा, जो फिल्म में उनके किरदार का नाम है. फैंस उनका ये लुक देख हक्के बक्के रह गए. कई फैन कमेंट कर जमकर तारीफ कर रहे हैं. कृति सेनन ने जैसे ही अपने ये ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की, लाइक और कमेंट करने वालों की होड़ लग गई. कुछ ही घंटे में तस्वीर में करीब 4 लाख से ज्यादा लाइक्स आ गए और हजारों लोगों ने कमेंट किए. कृति सेनन, रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 साल 2012 में आई कॉकटेल का सीक्वल है. उस फिल्म में सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी नज़र आए थे. फिल्म अपने अलग सब्जेक्ट की वजह से चर्चा में रही थी और काफी पसंद भी की गई थी.

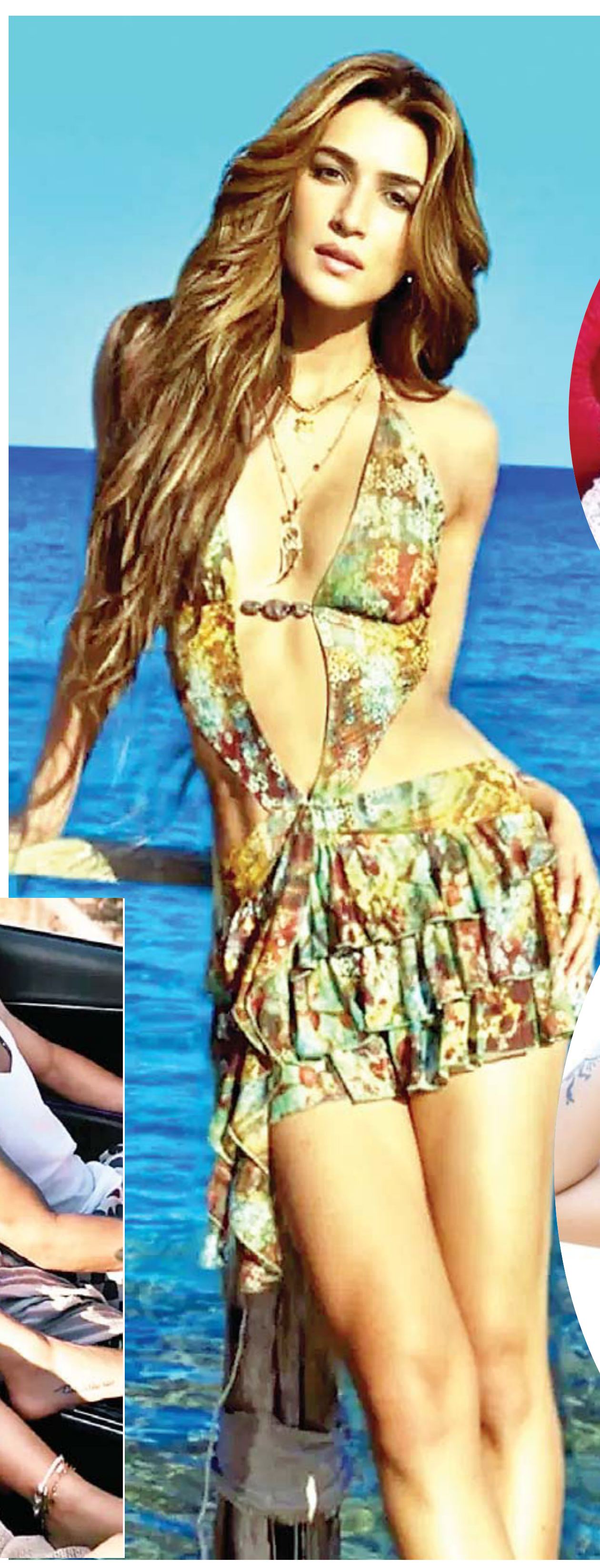

बक्सर में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई, बुलडोजर चलाकर फुटपाथ कराया खाली

बक्सर (संवाददाता)। शहर में लगातार बढ़ती जाम की समस्या और अवैध अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को नगर परिषद की ओर से बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई सदर अस्पताल के मुख्य गेट से लेकर नया बाजार मठिया मोड़ तक की गई, जहां वर्षों से फुटपाथ और सड़क किनारे अवैध रूप से दुकानें संचालित की जा रही थीं।

दोपहर करीब दो बजे नगर परिषद के अधिकारियों की टीम पुलिस बल, ट्रैक्टर और जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंची। प्रशासनिक टीम को देखते ही इलाके में हलचल मच गई। कई दुकानदारों को जैसे ही अभियान की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत अपनी-अपनी दुकानों के अस्थायी ढांचे जैसे कराकट के छज्जे और टीन शेड को खुद ही हटाना शुरू कर दिया, ताकि नुकसान कम हो सके। अभियान की शुरुआत सदर अस्पताल गेट से की गई। यहां सड़क के दोनों किनारों पर गुमटी, ठेले और अस्थायी दुकानों का कब्जा था। इसके अलावा कई लोगों ने फुटपाथ पर ईंट और सीमेंट से स्थायी निर्माण कर दुकानें बना ली थीं, जहां चाय, नाश्ता और अन्य सामान बेचा जा रहा था। प्रशासन ने ऐसे सभी अवैध निर्माणों को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। फुटपाथ पर लगाए गए स्थायी होर्डिंग्स और बोर्ड भी हटाए गए, जिससे सड़क पूरी तरह साफ नजर आने लगी।

कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने हल्का विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी और प्रशासन की सख्ती के चलते विरोध ज्यादा देर तक नहीं टिक सका। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि यह अभियान शहर को जाम और अव्यवस्था से मुक्त कराने के लिए जरूरी है और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। करीब चार बजे तक अभियान जारी रहा और सदर अस्पताल से नया बाजार मोड़ तक का पूरा इलाका अतिक्रमण मुक्त करा दिया गया।

अतिक्रमण हटाने के बाद नगर परिषद के अधिकारियों ने मौके पर मौजूद दुकानदारों को सख्त चेतावनी भी दी। प्रभारी सफाई निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति दोबारा फुटपाथ पर कब्जा करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमें सामान जब्त करना, जुर्माना लगाना और कानूनी कार्रवाई भी शामिल होगी। उन्होंने यह भी बताया कि शहर में लगने वाले जाम की मुख्य वजहों में से एक फुटपाथ पर अवैध कब्जा है। जब पैदल चलने वालों के लिए बनाए गए रास्तों पर दुकानें लग जाती हैं, तो लोग सड़क पर चलने को मजबूर होते हैं, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ जाती है। इसी समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस अभियान से पहले नगर परिषद प्रशासन द्वारा सभी अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उन्हें स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद कई लोगों ने निर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके बाद प्रशासन को सख्त कदम उठाना पड़ा। नगर परिषद ने यह भी साफ कर दिया है कि यह अभियान एक दिन का नहीं है, बल्कि इसे लगातार चलाया जाएगा। आगामी 24 अप्रैल को भी शहर के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। विशेष रूप से पीपी रोड, मुनीम चौक और गोला बाजार रोड को चिन्हित किया गया है, जहां फुटपाथ पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए सख्ती बरती जाएगी। इस पूरे अभियान में नगर परिषद के सिटी मैनेजर नीरज कुमार झा, प्रभारी सफाई निरीक्षक आशुतोष कुमार सिंह, मो. वाहिद अहमद सहित अन्य कर्मचारी और पुलिस बल सक्रिय रूप से मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से शहरवासियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में जाम की समस्या से राहत मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर हो सकेगी।

मोहम्मद हलीम के जन्मदिन पर रक्तदान महादान शिविर, 13 युवाओं ने दिया जीवनदान का संदेश

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर में समाजसेवा और मानवता की एक प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली, जब 'ब्यूटीफुल लाइफ ओनली ऑन डोनेटिंग ब्लड बक्सर' संस्था द्वारा 22 अप्रैल को मोहम्मद हलीम के जन्मदिन के अवसर पर भव्य रक्तदान महादान शिविर एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शहर के माँ तपेश्वरी देवी ब्लड सेंटर, बक्सर में सुबह 11 बजे से शुरू हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।

कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन भाजपा नेता सुमित मानसिंहका एवं संस्था के सक्रिय सदस्य रविशंकर शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। उद्घाटन के बाद रक्तदान शिविर की शुरुआत हुई, जिसमें कुल 13 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों के जीवन को बचाने का संकल्प लिया। रक्तदान करने वालों में मोहम्मद हलीम, सादाब आलम, अहमद अंसारी, साबिर अंसारी, संजय पटवा, विजय कुमार, गौतम कुमार, सोनू चौधरी, मुस्तकीन, अखिलेश प्रसाद, प्रभात लाल, अनूप कुशवाहा और मुकेश कुमार शामिल रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सुमित मानसिंहका ने रक्तदान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि यह मानवता का सबसे बड़ा दान है। नियमित रक्तदान करने से शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है, जिससे शरीर स्वस्थ और सक्रिय बना रहता है। उन्होंने यह भी बताया कि रक्तदान करने से हृदय रोग, स्ट्रोक और कुछ प्रकार के कैंसर का खतरा भी कम हो सकता है, साथ ही शरीर में आयरन का संतुलन भी बेहतर बना रहता है। उन्होंने उपस्थित लोगों को यह भी जानकारी दी कि रक्तदान से पहले और बाद में की जाने वाली सभी आवश्यक जांचें—जैसे रक्तचाप, नाड़ी, शरीर का तापमान, हीमोग्लोबिन स्तर और संक्रमण संबंधी जांच (एचआईवी, हेपेटाइटिस बी एवं सी, सिफिलिस)—पूरी तरह निःशुल्क होती हैं। इससे व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में भी सटीक जानकारी मिलती है।

संस्था के सदस्य आदिल खान ने अपने संबोधन में कहा कि एक यूनिट रक्त किसी भी गंभीर मरीज के लिए जीवन रेखा साबित हो सकता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करें और इस पुनीत कार्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

भीषण गर्मी में राहत

बक्सर नगर परिषद ने लगाए अस्थायी प्याऊ, लोगों को मिलेगा ठंडा पानी

बक्सर (संवाददाता)।

बढ़ती गर्मी और तपते मौसम को देखते हुए नगर परिषद ने आमजन को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब शहरवासियों को शीतल पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा, क्योंकि नगर परिषद की ओर से शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अस्थायी प्याऊ की व्यवस्था की गई है।

नगर परिषद प्रशासन ने फिलहाल शहर में कुल 10 अस्थायी प्याऊ स्थापित किए हैं, जहां लोगों को मुफ्त में ठंडा और शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। यह पहल खासतौर पर उन लोगों के लिए राहत भरी है, जो दिनभर काम के सिलसिले में बाहर रहते हैं और गर्मी में पानी की कमी से जूझते हैं।

नगर परिषद के स्वच्छता पदाधिकारी रवि कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के व्यस्त और प्रमुख इलाकों को ध्यान में रखते हुए इन प्याऊ की स्थापना की गई है। जिन स्थानों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है, उनमें अंबेडकर चौक, ज्योति प्रकाश चौक, पुलिस चौकी के पास, नगर परिषद कार्यालय, ताड़का नाला, कलेक्ट्रेट परिसर, रेलवे स्टेशन, नगर भवन सहित विस्तारित क्षेत्र पांडेयपट्टी और अहिरौली शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि नगर परिषद पहले से ही शहर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। इसके तहत विभिन्न जगहों पर करीब 60 वाटर एटीएम भी लगाए जा चुके हैं, जहां लोग आसानी से शुद्ध पानी प्राप्त कर सकते हैं। अब गर्मी को देखते हुए अतिरिक्त रूप से प्याऊ की व्यवस्था की गई है, ताकि राहगीरों और आम नागरिकों को तुरंत राहत मिल सके। रवि कुमार सिंह ने यह भी कहा कि यदि जरूरत महसूस हुई, तो शहर के अन्य इलाकों में भी प्याऊ की संख्या बढ़ाई जाएगी।

संतुलित उर्वरक उपयोग से मिट्टी की सेहत बेहतर, किसानों को किया गया जागरूक

बक्सर (संवाददाता)। जिले में किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और खेती की लागत कम करने के उद्देश्य से उर्वरकों के संतुलित उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अत्यधिक रासायनिक खाद के इस्तेमाल से जहां मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, वहीं किसानों का खर्च भी बढ़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने की सलाह दी जा रही है।

इसी क्रम में दलसागर पंचायत के परसिया गांव में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र और आत्मा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उर्वरकों के संतुलित प्रयोग और आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञ हरिगोबिन्द ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि उर्वरकों का संतुलित मात्रा में उपयोग करना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने फसल चक्र अपनाने और दलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि संतुलित उर्वरक उपयोग से मिट्टी की संरचना बेहतर बनी रहती है, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में सुधार होता है।

विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि यदि किसान ढैंचा, सनई, लोबिया, मूंग और उड़द जैसी फसलों को फूल आने से पहले खेत में जुताई कर दें, तो इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है। साथ ही कार्बनिक पदार्थों की वृद्धि होने से रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है, जिससे लागत घटती है और मुनाफा बढ़ता है।

आत्मा के उप परियोजना निदेशक रणधीर ने किसानों को फसल विविधीकरण के बारे में तकनीकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक ही प्रकार की फसल बार-बार उगाने के बजाय विभिन्न फसलों का चक्र अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और उत्पादन भी बेहतर होता है। इस जागरूकता कार्यक्रम में कृष्णा गोंड, ददन राजभर, रामाश्रय यादव, धनवंतरी उपाध्याय, राजीव रंजन तिवारी सहित 25 से अधिक किसानों ने भाग लिया। मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र के सरफराज अहमद खान, कृषि समन्वयक अमरेश राय और किसान सलाहकार ओमप्रकाश भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में किसानों से अपील की गई कि वे पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ वैज्ञानिक सलाह को अपनाएं, ताकि खेती को अधिक लाभकारी और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480